+91 7014373732
marudharnews.com
info@marudharnews.com
हिन्दुस्तान की नई आवाज
खबरों और विज्ञापन हेतु संपर्क करे

मरूधर हिन्द

CIN NO.- U74999RJ2020PTC067985
UN NO.- RJ02D0022186
मरूधर हिन्द अब एक नए अंदाज में

वर्ष : 03 | अंक : 161 | जयपुर, गुरूवार 14 जून 2022 | कुल पेज : 6

"क्योंकि ये करते है हमारे अपनो की हिफाजत"
वही विश्वसनीय ईलाज, एक नई जगर पर
VISHWAS Neuro Psychiatric Hospital
डॉ. सुमित मित्तल
M.D., FIAPP, MIPS
Consultant Neuro Psychiatrist
मस्तिष्क, मानसिक, सेक्स रोग एवं नशा मुक्ति विशेषज्ञ
निम्न रोगी अपने ईलाज के लिए सम्पर्क करें :-
• सरदर्द, माईग्रेन • उदासी (डिप्रेशन) • आत्महत्या के विचार आना
• नसों का दर्द • सेक्स सम्बंधी समस्याऐं • नींद न आना अथवा नींद में चलना
• बेहोश हो जाना • मिर्गी के दौरे आना • किसी प्रकार का नशा जैसे तम्बाकू, चरस, गांजा आदि का सेवन करना
नया पता : 276, स्कीम नं. 2, अलवर मो. 7665412062

डॉ. सुमित मित्तल

पुतिन ईरान के साथ ड्रोन खरीद पर नहीं करेंगे चर्चा

मॉस्को (एजेंसी)। रुस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन 19 जुलाई को ईरान दौरे के दौरान ड्रोन खरीद पर चर्चा नहीं करेंगे। यह जानकारी क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बुधवार को दी। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि ईरान रूस को कई ड्रोन देने की योजना बना रहा है। श्री पेसकोव ने संवाददाताओं के यह पूछे जाने पर कि क्या श्री पुतिन की तेहरान यात्रा के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा, नहीं।

राष्ट्रपति चुनाव हेतु लखनऊ पहुंचीं मतपेटियां एवं सामग्री

लखनऊ, (ब्यूरो)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रपतीय निर्वाचन-2022 की घोषणा नौ जून को की गई थी तथा निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचना 15 जून को जारी की गई थी। राष्ट्रपति निर्वाचन-2022 हेतु मतदान दिनांक 18 जुलाई को पूर्वाह्न 10 बजे से प्रारम्भ होकर सायं पांच बजे तक चलेगा। मतों की गणना दिनांक 21 जुलाई को होगी। राष्ट्रपति निर्वाचन-2022 हेतु मतपेटियां एवं अन्य सामग्री प्राप्त करने हेतु मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं विधान सभा सचिवालय के अधिकारीगण 11 जुलाई, को नई दिल्ली गए थे। मतपेटिकायें एवं अन्य सामग्री मुख्य चुनाव आयुक्त, राजीव कुमार एवं चुनाव आयुक्त, अनूप चंद्र पाण्डेय के पास पहुंच गई है।

पुंछ में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश की नाकाम

जम्मू, (एजेंसी)। भारतीय सेना के जवानों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की एक कोशिश को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया है। संबंधित अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जम्मू में सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने बुधवार तड़के कहा कि 12-13 जुलाई की मध्यरात्रि के दौरान पुंछ सेक्टर में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश की गई। उन्होंने कहा, 'घुसपैठ की कोशिश को सीमा पर सतर्क हमारे सैनिकों ने नाकाम कर दिया।' श्री देवेंद्र आनंद ने बताया कि इस पर पल-पल की जानकारी ली जा रही है। पुंछ जिले में जारी श्री अमरनाथ यात्रा और इसी महीने से शुरू हो रहे आगामी बुद्ध अमरनाथ यात्रा को देखते हुए सेना और सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं।

पाक में हिंदू लड़की अगवा सड़कों पर उतरे नाराज लोग

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाक में हिंदू समुदाय के लोगों ने नवाबशाह में जरदारी हाउस के सामने एक हिंदू लड़की के अपहरण को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने हालांकि दावा किया कि लड़की एक मुस्लिम लड़के के साथ भाग गई थी और वह कथित रूप से उस लड़के से प्यार करती है और उसने कराची कोर्ट में उसके साथ निकाह के लिए संपर्क किया है। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। छह दिन पहले काजी अहमद शहर के उन्नार मोहल्ला से इस लड़की को कथित तौर पर अगवा कर लिया गया था। नवाबशाह के एसएसपी अमीर सऊद मगसी ने कहा कि लड़की का अपहरण नहीं हुआ है और मीर मोहम्मद जोनो गांव के खलील रहमान जोनो के साथ भाग गई है।

आज का इतिहास

- **1456:** बेलग्रेड के युद्ध में हंगरी ने ऑटोमन को पराजित किया।
- **1536:** फ्रांस एवं पुर्तगाल ने स्पेन के खिलाफ लियोंस के नौसैनिक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- **1636:** मुगल बादशाह शाहजहां ने औरंगजेब को दक्कन का वायसराय नियुक्त किया।
- **1656:** सिख गुरू हर किशन जी का जन्म हुआ।
- **1789:** फ्रांसीसी क्रांति की शुरुआत।
- **1900:** यूरोपीय गुट ने चीन से बॉक्सर विद्रोहियों के कब्जे से तिएन्तसिन को वापस लिया।
- **1914:** रॉबर्ट एच. गोडार्ड ने तरल रॉकेट ईंधन का पेटेंट कराया।
- **1933:** जर्मनी में नाजी पार्टी को छोड़ शेष सभी को गैर कानूनी घोषित किया।
- **1940:** द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी के बमवर्षक विमानों की स्वेज पर बमबारी।

गुरु पूर्णिमा पर गुरु का पूजन

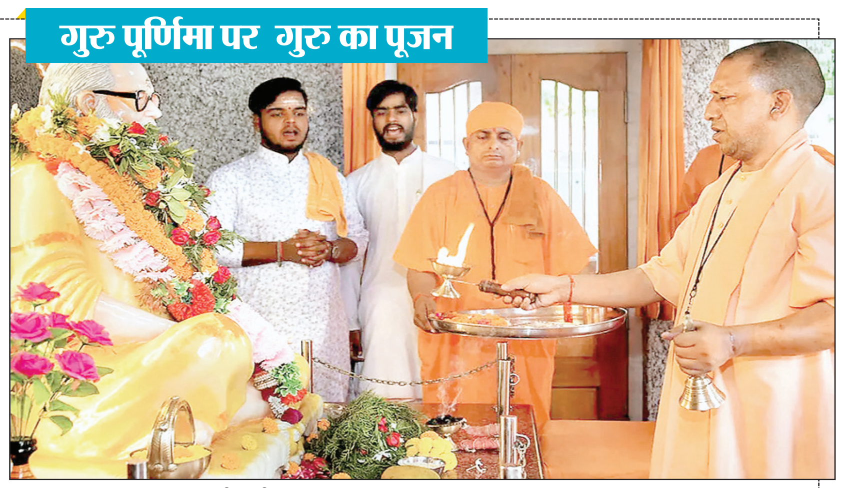

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को अपने गुरु महंत अवैद्यनाथ जी की पूजा-अर्चना की।

लाखों भक्तों ने अयोध्या पहुंच निभाई गुरु-शिष्य परंपरा

अयोध्या ■ ब्यूरो

गुरु पूर्णिमा पर अयोध्या पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं ने सरयू में स्नान के बाद राम जन्मभूमि हनुमानगढ़ी सहित प्रमुख मंदिरों में पूजन अर्चन किया। इसके बाद सभी भक्तों ने अपने गुरुओं की आराधना की। गुरु पूर्णिमा हिंदू धर्म की प्राचीन परंपरा है जिस का निर्वाह आज भी लोग अपने गुरुओं के दर्शन पूजन और सेवा कर करते हैं। दो वर्ष से रहे कोरोना काल के कारण भक्त अपने गुरुओं से दूर रहे। लेकिन इस बार कोई भी भक्त इस अवसर को खोना नही चाहता है। यही कारण है कि इस वर्ष गुरु पूर्णिमा उत्सव अयोध्या में बड़ी ही धूम धाम से मनाया गया। लाखों की संख्या में अयोध्या पहुंचे भक्तों ने अपने गुरु का वंदन कर रहे हैं। अयोध्या के प्रमुख पीठ हनुमानगढ़ी, मणिराम दास छावनी, राम बल्लभा कुंज, शियाबल्लभ कुंज, रंग महल, दशरथ महल सहित सैकड़ों मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ थी।

घाट पुरोहित रामाधार पांडे ने कहा कि दो साल करोना काल में कोई भी भीड़-भाड़ नहीं थी। इस बार राम लला की कृपा से सब सही है और अब राम नगरी में श्रद्धालुओं का जमावड़ा है। जबसे रामलला का भूमि पूजन हुआ श्रद्धालुओं की अपार भीड़ पहुंच रही है गुरु पूर्णिमा के मौके पर तीन बजे सुबह से ही स्नान शुरू हुआ है। श्रद्धालु स्नान करने के बाद गोदान कर रहे थे और नागेश्वरनाथ हनुमानगढ़ी राम जन्म भूमि दर्शन पूजन कर रहे है। राम जन्म भूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि गुरु पूर्णिमा पर व्यास की पूजा और व्यास की तिथि का महत्व है। आज शिष्य अपने गुरु की पूजा करते हैं और गुरु से आशीर्वाद लेते हैं आचार्य सत्येंद्र कहते हैं कि जब मंत्र की सृष्टि गुरु शिष्य के हृदय में स्थापित करता है, तब उसका स्वरूप ब्रह्मा का होता है पालन पोषण और विस्तार को लेकर जब ज्ञान देता तो गुरु का स्वरूप विष्णु का होता है और जब गुरु सभी शक्ति शिष्य को प्राप्त कराने के लिए इज्जत करता है तो सिर्फ उसका शुरू पारब्रह्म परमेश्वर का हो जाता है आचार्य सत्येंद्र दास कहते हैं कि धार्मिक मान्यता है कि गुरु की बात मानने वाले शिष्य को उसकी मुक्ति को संशय नहीं रहता।

गुरु पूर्णिमा उत्सव

महर्षि महेश योगी आश्रम में गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धा और आस्था से मनाया गया

नैनी/प्रयागराज, (ब्यूरो)। महर्षि महेश योगी आश्रम परिसर में गुरु पूर्णिमा पर्व बड़ी श्रद्धा और आस्था से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ केपी श्रीवास्तव एमएलसी ने कहा कि गुरु के ज्ञान के बिना मानव पशु समान हैं महर्षि जी ने गुरु ज्ञान से पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति सभ्यता और संस्कार का परचम लहराया।

मियां-बीवी वियतनाम से लाए बंदूकों का जखीरा

दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार, दो ट्रॉली बैग में भरे थे 45 हथियार

कपल के पास मौजूद दो ट्रॉली बैग से 22 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की 45 बंदूकें जब्त की गई हैं। पूछताछ के दौरान दोनों पति-पत्नी ने पिछली बार 25 बंदूकों की तस्करी में भी शामिल होने की बात स्वीकार की है।

एयरपोर्ट पर ट्रॉली बैग में मिला हथियारों का जखीरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर हथियारों के जखीरे के साथ तस्कर पति-पत्नी गिरफ्तार किए गए हैं. वियतनाम से आए एक भारतीय कपल को बड़ी संख्या में हथियारों के साथ पकड़ा गया है। उनके पास मौजूद दो ट्रॉली बैग से 22 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की 45 बंदूकें जब्त की गई हैं। पूछताछ के दौरान दोनों पति-पत्नी ने 12 लाख रुपए से अधिक कीमत की 25 बंदूकों की पिछली तस्करी में भी अपनी संलिप्तता की बात स्वीकर की है। यह जानकारी सीमा शुल्क आयुक्त, आईजीआई एयरपोर्ट और जनरल की तरफ से दी गई है।

हथियार तस्कर पति-पत्नी को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम अधिकारियों ने गिरफ्तार किया है। दोनों वियतनाम से दो बैग भरकर बंदूकें लेकर भारत आए थे। जब्त की गई बंदूकों की कीमत 22 लाख रुपये से ज्यादा बताई जा रही है। दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे के एक सीनियर कस्टम अधिकारी ने न्यूज एजेंसी एएनआई को बताया कि दोनों पति-पत्नी ने स्वीकार किया है कि उन्होंने पहले 12 लाख से ज्यादा कीमत की 25 बंदूकों की तस्करी की थी।

45 बंदूकों के साथ पति-पत्नी गिरफ्तार: कस्टम अधिकारी का कहना है कि बैलिस्टिक्स रिपोर्ट से इस बात की पुष्टि हो सकेगी कि बंदूकें असली हैं या नहीं। न्यूज एजेंसी द्वारा ट्विटर पर जारी कई तस्वीरों में बड़ी संख्या में बंदूकें दिखाई दे रही हैं। ट्रॉली बैग में बंदूके भरी हुई हैं। बड़ी संख्या में विदेश से लाया गया हथियारों का जखीरा डराने वाला है। वहीं बंदूकें लाने वाले पकल की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। अधिकारी इस बात पर भी हैरानी जता रहे हैं कि कपल वियतनाम से बाहर निकलते समय सुरक्षा के दौरान कैसे पकड़े नहीं गएय। वह किस तरह से बाहर निकलने में कामयाब हो गए।

सुरक्षा अधिकारियों को कैसे दिया चकमा?

सामने आई तस्वीरों में बड़ी संख्या में बंदूकें दिखाई दे रही हैं। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर ये पति-पत्नी कहां के रहने वाले हैं। वह वियतनाम से भारत तक बड़ी संख्या में हथियार लाने में कामयाब कैसे हो गए। उन्होंने वियतनाम एयरपोर्ट पर आखिर किस तरह से सुरक्षा अधिकारियों को चकमा दे दिया। वहीं बंदूकें असली है या नकली इस बात की भी जांच की जा रही है।

तीर्थयात्रियों की कार नदी में गिरी, सभी लापता

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड में केदारनाथ के दर्शन कर वापस आ रहे तीर्थयात्रियों की कार बुधवार को नदी में गिरने से इसमें सवार सभी चार यात्री कार सहित पानी के तेज बहाव में बह गए हैं। वे सभी उप्र के मेरठ जिले के निवासी हैं। एसडीआरएफ प्रवक्ता ने बताया कि केदारनाथ मार्ग स्थित पुलिस चौकी ब्यासी से कौड़ियाला के पास एक कार के नदी में गिरने की सूचना सुबह मिली।

रिया चक्रवर्ती सुशांत को ड्रग आपूर्ति करती थी : एनसीबी

मुबंई, (एजेंसी)। सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग्स केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने चार्जशीट तैयार कर ली है। इसमें रिया और उनके भाई शोविक के अलावा 33 लोगों को आरोपी बनाया गया है। रिया पर उनके बॉयफ्रेंड रहे सुशांत के लिए ड्रग्स खरीदने के आरोप हैं। उन्हें नशे की लत के लिए उकसाने का भी आरोप है।

आरोप साबित हुए तो रिया को 10 साल की जेल हो सकती है। एनसीबी की इस चार्जशीट के बाद सुशांत की मौत फिर से नए सवालों के घेरे में आ गई है। एनसीबी के आरोप पत्र में बुधवार को यहां कहा गया है कि अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को ड्रग्स की आपूर्ति करती थी। एनसीबी ने ड्रग मामले में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत को लेकर विशेष अदालत को बताया कि रिया को अपने भाई शोविक सहित सह-आरोपियों से गांजे की कई डिलीवरी मिल रही थी जो उन्होंने राजपूत को सौंप दी थी। इसलिए उन पर एनडीपीएस अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए है। न्यायाधीश वीजी रघुवंशी ने आरोप पत्र को रिकॉर्ड में लेने के बाद सुनवाई 27 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी।

केंद्रीय ड्रग रोधी एजेंसी ने पिछले महीने आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर कर अदालत को यह जानकारी दी। उसकी प्रति बुधवार को मीडिया को उपलब्ध कराई गई।

आवारा कुत्तों ने बढ़ाई सरकार की परेशानी, हाईकोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

नैनीताल, (एजेंसी)। सरोवर नगरी नैनीताल में आवारा कुत्तों के आतंक के कारण सरकार की परेशानी बढ़ गई है। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने सरकार से सभी नगर पालिकाओं और निकायों में आवारा कुत्तों से जुड़े आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा है। दरअसल 2017 में नैनीताल निवासी गिरीश चंद्र खोलिया की ओर से शहर में आवरा कुत्तों और नैनीताल नगर पालिका की निष्क्रियता के मामले को उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश विपिन सांधी और न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की युगलपीठ में बुधवार को इस मामले में सुनवाई हुई याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि नैनीताल में एबीसी सेंटर के बावजूद आवारा कुत्तों की संख्या में इजाफा हो रहा है। कुत्तों के हमले में कई लोगों को जान गंवानी पड़ी है।

पाक से बातचीत शुरू करे भारत : फारूक अब्दुल्ला

कब तक आतंकवाद से मरते रहेंगे लोग

श्रीनगर, (एजेंसी)। नेशनल कांफ्रेस के अध्यक्ष और संसद सदस्य डा. फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद कभी खत्म नहीं होगा जब तक भारत सरकार लोगों का दिल जीत कर पाकिस्तान के साथ बातचीत शुरु नहीं कर देती।

डा. अब्दुल्ला ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद तब तक खत्म नहीं होगा जब तक हम इसका कोई समाधान नहीं निकाल लेते। उन्होंने कहा कि लोग इसे भुगतते रहेंगे और मरते रहेंगे। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्री अक्सर घोषणा करते हैं कि आतंकवाद खत्म हो जाएगा। लेकिन मैं उन्हें कह रहा हूं कि यह तब तक खत्म नहीं होगा जब तक कश्मीर के लोगों का दिल नहीं जीत लेंगे।

दो माह बाद विधायक को मिली विद्युत समस्या की जानकारी

समीक्षा बैठक

प्रयागराज, (ब्यूरो)। प्रयागराज के शहर पश्चिमी की जनता मूल भूत संसाधनों को सामना कर रही है। प्रयागराज शहर पश्चिमी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा क्षेत्रीय विधायक का आवास अपने विधानसभा से बाहर प्रयागराज उत्तर विधानसभा के राजापुर पॉश इलाके मे है। शहर पश्चिमी विधानसभा मे लगभग दो से ढाई माह से विधानसभा क्षेत्र के लगभग 80 फीसदी क्षेत्र मे बिजली की समस्या बनी है। जैसे ट्रांसफार्मर खराब होना, लो वोल्टेज आदि भीषण गर्मी मे सामना करना पड़ रहा है।

बुधवार को दो माह बाद क्षेत्रीय विधायक को जानकारी मिली। बुधवार को शहर पश्चिमी में व्याप्त बिजली समस्याओं को ले बिजली विभाग प्रयागराज के आला अफसरों व इंजीनियरों संग शहर पश्चिमी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने राजापुर आवास पर समीक्षा बैठक की। साथ में पार्षदगण, भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। पार्षदों ने विद्युत समस्याओं से रूबरू कराया व उसके अफसरों से निराकरण की जानकारी ली।

निर्णय धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने तरंगा हिल-अंबाजी-आबू रोड नई रेल लाइन को मंजूरी

रेल से हो सकेगी अंबाजी शक्तिपीठ तक की यात्रा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंन्द्र सरकार ने देश में पर्यटन विशेष रूप से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुजरात में तरंगा हिल-अंबाजी-आबू रोड नई रेल लाइन को मंजूरी दे दी है जिससे देश में 51 शक्तिपीठों में से एक अंबाजी तीर्थस्थल तक आवागमन आसान हो जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस परियोजना के तहत 116.65 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बनाई जाएगी जिस पर 2798.16 करोड़ रुपए का खर्च आयेगा तथा इसके वर्ष 2026-27 तक पूरा होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इस रेल लाइन के पूरा होने से क्षेत्र में संपर्क और आवागमन बढ़ेगा तथा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सरकार का कहना है कि इस परियोजना के निर्माण के दौरान लगभग 40 लाख मानव दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होगा। इस परियोजना से संपर्क बढ़ेगा और आवाजाही में सुधार के साथ साथ क्षेत्र का समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास होगा।

अंबाजी एक प्रसिद्ध महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है और भारत में 51 शक्तिपीठों में से एक है तथा हर साल गुजरात के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों व विदेशों से लाखों श्रद्धालु वहां जाते हैं। इसके अलावा, तरंगा हिल में अजीतनाथ जैन मंदिर (24 पवित्र जैन तीर्थंकरों में से एक) के दर्शन करने वाले भक्तों को भी इससे बहुत लाभ होगा।

दो धार्मिक स्थलों को जोड़ने से निवेश आएगा

तरंगा हिल-अंबाजी-आबू रोड के बीच यह नई रेलवे लाइन इन दो महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों को रेलवे के मुख्य नेटवर्क से जोड़ेगी। इस लाइन से कृषि और स्थानीय उत्पादों के शीघ्र लाने-ले जाने की सुविधा होगी और गुजरात व राजस्थान के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों में भी लोगों की आवाजाही बेहतर बनेगी। यह परियोजना मौजूदा अहमदाबाद-आबू रोड रेलवे लाइन के लिए वैकल्पिक मार्ग भी मुहैया कराएगी। प्रस्तावित दोहरीकरण से यह लाइन राजस्थान के सिरोही जिले और गुजरात के बनासकांठा तथा मेहसाणा जिलों से होकर गुजरेगी। नई रेल लाइन के निर्माण से निवेश आएगा।

रेलवे द्वारा सौर ऊर्जा से 38.4 लाख यूनिट बिजली उत्सर्जित

उमरे ने की 5.01 करोड़ की बचत

प्रयागराज (ब्यूरो)। सौर मिशन पर राष्ट्रीय पहल के अनुसरण में, उमरे ने सौर ऊर्जा उत्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उत्कृष्ट रख-रखाव, सौर ऊर्जा संयंत्र के संचालन की सघन मॉनिटरिंग और सौर मिशन-2021-22 के तहत किए गए अभिनव प्रयासों के कारण, वर्ष 2021-22 में उमरे में सौर संयंत्रों की उत्पादकता सभी जोनल रेलवे में सबसे अधिक थी। पिछले, वित्तीय वर्ष में, सौर ऊर्जा का उपयोग करके 124 लाख यूनिट ऊर्जा उत्पन्न कर रु 5.01 करोड़ की बचत की गई।

इसी गति को जारी रखते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी पहली तिमाही में उत्तर मध्य रेलवे द्वारा 38.4 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन किया गया है। यह न केवल पर्यावरण संरक्षण के एक बड़े लक्ष्य की ओर एक कदम है, इससे राजस्व में भी पर्याप्त बचत हुई है। इस प्रकार सौर ऊर्जा के उपयोग से रुपए 1.56 करोड़ की शुद्ध राजस्व बचत दर्ज की गई है। उत्तर मध्य रेलवे की कुल स्थापित क्षमता 11.03 मेगावाट है। इसमें से 120 केडब्ल्यूपी रेलवे द्वारा स्थापित किया गया है, शेष 10882.34 केडब्ल्यूपी क्षमता दो प्रमुख सौर ऊर्जा डेवलपर्स (एसपीडी) एजुर और रिन्यू द्वारा पीपीपी आधार पर स्थापित की गई है।

लोगों को पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। सोडावास के निकट बाबा मनीराम गोशाला में माजरी खोला के युवाओं ने 11 वृक्ष लगाकर एवं गौ माताओं के लिए एक ट्रैक्टर हरे चारे का दे कर पुण्य कमाया। इस अवसर पर मनीराम गोशाला कमेटी के प्रवक्ता सूरजभान चौधरी ने कहा कि हमारे देश भारत की संस्कृति एवं सभ्यता

वनों में ही पल्लवित है तथा विकसित हुई है। यह एक तरह से मानव का जीवन सहचर है। वृक्षारोपण से प्रकृति का संतुलन बना रहता है। इस मौके पर मोहर सिंह चौधरी ने कहा कि आज मानव अपनी भौतिक प्रगति की तरफ आतुर है। वह अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए बेधड़क वृक्षों की कटाई कर रहा है। औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और जनसंख्या के चलते वनों का क्षेत्रफल प्रतिदिन घटता ही जा रहा है। इस अवसर पर विकास खोला,पंकज यादव, ताराचंद यादव, देवेंद्र यादव ,प्रदीप यादव मौजूद रहे।

सरिस्का इको सेंसेटिव जोन को लेकर हुई बैठक

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। सरिस्का इको सेंसेटिव जोन को लेकर मंत्री टीकाराम जूली, मंत्री शकुंतला रावत,मंत्री हेमाराम चौधरी का अलवर,राजगढ़ से आए व्यापारियों,कारोबारियों ने

किया स्वागत सम्मान किया। बैठक के बाद सचिवालय के एंट्रेस गेट पर गहलोत सरकार जिंदाबाद के लगाए नारे मंत्री टीकाराम जूली ने कहा अलवर जिले के अंदर काफी व्यापारी बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाईयां लगी हुई।सुप्रीम कोर्ट के एक सुर्कलर को लेकर असमंजस की स्थिति थी। लेकिन बैठक में यह तय किया गया कि जो इंडस्ट्री पहले से चल रही है।वो इस आदेश से प्रभावित नहीं हो रही।उनको चलने दिया जाए।

कस्बे के बाईपास मार्ग से रेला रोड को जोड़ने वाली सड़क पर नाले का भरा पानी

रास्ता अबरूध होने से एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मरूधर हिन्द

कठूमर । दिनेश लेखी। कठूमर बाईपास मार्ग से रेला गांव को जोड़ने वाली सड़क पर दो फीट ऊंचाई तक बारिश और नाले का पानी भर जाने से गांव का रास्ता अवरूध हो गया। जिससे श्री मॉ महाविद्यालय की छात्राओ सहित गांव के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या को लेकर महाविधालय प्रबंधक ने बुधवार को उपखंड अधिकारी रामकिशोर मीणा को पत्र देकर इस समस्या से अवगत करा समाधान की मांग की है। श्री मॉ

महाविद्यालय के संचालक हेमंत कुमार डागुर ने बताया कि कठूमर बाई पास रोड से ग्राम रेला को जोड़ने वाली मुख्य सड़क व कठूमर के जाटव मोहल्ला एवं रेला गांव के निवासियों को कठूमर बाजार आने जाने का एकमात्र रास्ता है। इस रोड पर महाविद्यालय सहित एक सीनियर सेकेंडरी स्कूल भी स्थित है। गत एक माह से जलभराव के चलते विधार्थी और ग्रामीणो को घुटने तक गंदे पानी में होकर निकलने के अतिरिक्त कोई रास्ता नहीं है। रेला रोड पर स्थित महाविद्यालय में चल रही विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले सैकड़ों परीक्षार्थियों को भी इसी गंदे पानी से होकर निकलना पड़ रहा है। महाविद्यालय में अध्ययनरत सात सौ से अधिक छात्र-छात्राएं कॉलेज आने से कतरा आने लगी हैं। महाविद्यालय के संचालक ने पत्र देकर प्रशासन से सैकड़ों छात्र-छात्राओं एवं परीक्षार्थियों को इस गंदे पानी से छुटकारा दिलाने की मांग की है।

खेरली कस्बे में निकाली कलश यात्रा,पूरे श्रवण मास में होंगे अखंड रामायण के पाठ

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। खेरली कस्बे के समूंची रोड स्थित चेतराम वाली बगीची से कलश यात्रा निकाली गई जानकारी के अनुसार बगीची के महंत पप्पू

शर्मा ने बताया कि श्रावण मास के चलते मंदिर परिसर में ओमप्रकाश व्यास जी के सनिंध्य में रामायण पाठ का आयोजन किया जा रहा है यह रामायण का पाठ पूरे श्रावण मास में अर्थ सहित पढ़ा जायेगा। कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से शुरू होकर कठूमर रोड, बजाजा बाजार एवं जवाहर चौक होती हुई मंदिर पहुंची इस दौरान इंद्रदेव भी जमकर बरसे। कलश यात्रा में महिलाओं सहित पुरुषों ने भाग लिया। इस दौरान महेश शर्मा, नरेंद्र गुप्ता, शिवदयाल दीक्षित, विष्णु खंडेलवाल, दिलीप बंसल, विष्णु भारद्वाज सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी की कार्यकारिणी घोषित

मरूधर हिंद/मनीष कुमावत

बालूहेड़ा चौकी। गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ के देहात जिलाध्यक्ष नितेश नागर झालरी की सहमति से हरीओम नागर बालूहेड़ा को कोषाध्यक्ष के पद पर व महेंद्र सुमन खेड़ी को कोटा देहात के जिलामंत्री के पद पर व पंडित दौलत राम जोशी बहरावंडा खुर्द को जिला कार्यकारिणी सदस्य के पद पर व हरि प्रकाश सेन बालूहेड़ा को जिला कार्यकारिणी सदस्य व जिला महामंत्री नरेंद्र नागर रुपाहेडा व जिला उपाध्यक्ष नन्दबिहारी नागर नाहरियां व जिला उपाध्यक्ष सुनील गुर्जर बालूहेड़ा के पद पर मनोनीत किया गया। जिलाध्यक्ष नागर के

नेतृत्व में पदाधिकारियों को माला पहनाकर स्वागत किया गया व साथ ही गौ सेवा व गौ रक्षा के लिए सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया गया कार्यक्रम में साथ मे मौजूद रहे नरेश नागर झालरी नरोत्तम नागर बालूहेड़ा व रामबिलास नागर झालरी आदि गौ भक्त मौजूद रहे।

विषाक्त खाने के बाद अचेत अवस्था में पड़ा मिला युवक, भरतपुर रेफर

मरूधर हिंद/आमिर खान कामां

कामां- कामां कस्बे के अब्बास कॉलोनी के समीप स्थित कायस्थ के कुंडे के पास ग्रेवल सड़क के किनारे खेतों में एक युवक अचेत अवस्था में पड़ा हुआ मिला घटना की सूचना मिलने पर मौके पर एकत्रित हुए लोगों की सूचना पर कामा थाना पुलिस मौके पर पहुंची

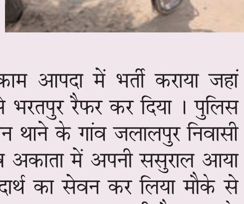

और अचेत पड़े युवक को उपचार के लिए काम आपदा में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक होने के चलते उसे भरतपुर रैफर कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हरियाणा के हथीन थाने के गांव जलालपुर निवासी मौसिम पुत्र मजीद खान कामां थाना क्षेत्र के गांव अकाता में अपनी ससुराल आया हुआ था यहां से लौटते समय उसने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया मौके से पुलिस ने एक विषाक्त पदार्थ एल्डिन की बोतल व बाइक बरामद की है घटना के कारणों की जांच की जा रही है

ग्राम कांकरोली में नवसृजित गायत्री प्रज्ञापीठ पर व बंध वाले हनुमान मंदिर कठूमर पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर्व मनाया गया

मरूधर हिन्द

कठूमर । दिनेश लेखी। उपखंड क्षेत्र के ग्राम कांकरोली में गायत्री परिवार के तत्वाधान में पंच कुंडी हवन में कठूमर सहित आसपास के अनेक श्रद्धालुओं ने सुबह से ही पहुंचना प्रारंभ कर दिया कार्यक्रम प्रारंभ होने से पूर्व इंद्रदेव ने भी बारिश की बूंदों के साथ स्थान को पवित्र कर सहयोग किया।

इधर कस्बा स्थित बंध वाले मंदिर के महंत संत प्रयाग दास के सानिध्य में श्री श्री 1008 सुंदर दास महाराज महामंडलेश्वर बालक दास लंगडी श्री श्री 1008 नरहरी दास श्री श्री 1008 नारायण दास महाराज के शिष्यों के द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर गुरु के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर भंडारे का आयोजन किया गया।

वही ग्राम काकरोली में गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर शांतिकुंज हरिद्वार गायत्री परिवार के केंद्रीय प्रतिनिधि श्याम सुंदर शर्मा के द्वारा कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया।

इस मौके पर जिला संयोजक चरणसिंह चौधरी ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम में 11व12

जुलाई को अखंड जाप 13 जुलाई को प्रात काल से चार पारियों में पंच कुंडी के हवन मे श्रद्धालुओं के द्वारा जेकर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। गुरुपर्व पर ,,गुरु की छाया में शरण जो पा गया, उसके जीवन में सुमंगल आ गया,, इस युग संगीत के माध्यम से श्यामसुंदर शर्मा ने गुरु की महिमा का बखान किया। पूर्णाहुति के बाद ग्राम कांकरौली में प्रज्ञा पीठ भवन व एक बीघा खेत को दान देने वाली श्रीमती नर्वदा देवी का पुष्प वर्षा अर्पित कर भव्य स्वागत किया गया। सर्वप्रथम गांव बीजला की महिला टोली ने श्रीमती नर्वदा देवी का तिलक लगाकर , चरण स्पर्श कर श्रद्धा अर्पित की।

कार्यक्रम की सफलता में नाहरसिंह व्यवस्थापक, भगवान सिंह, तहसील प्रभारी, रमेश चौधरी,भोजन व्यवस्था प्रभारी, नरेश बिजला युवा प्रभारी, फूलसिंह बीजला करीब 1 से 2 घंटे तक गुरु पूर्णिमा व गुरु के महत्व को लेकर श्रद्धालुओं को बतलाया गया। इस दौरान रेटा निवासी आचार्य बलदेव चौधरी के द्वारा भी गायत्री यज्ञ में सहयोग किया गया। इस दौरान अपना घर सेवा समिति के संरक्षक सोमेश्वर चौधरी सहित हैंड कांस्टेबल लखन चौधरी रेला उनकी धर्म पत्नी के साथ आदि पंच कुंडीय हवन में यजमान रहे।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुशलगढ़ के लिए काफी उत्साहवर्धक और उपलब्धियों से भरपूर

अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। सत्र 2021- 22 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुशलगढ़ के लिए काफी उत्साहवर्धक और उपलब्धियों से भरपूर रहा जहां तक हर विद्यालय का आईना और मानक उसका बोर्ड परीक्षा परिणाम होता है और इस सत्र 2022 के बोर्ड परीक्षा परिणाम स्थानीय विद्यालय में सभी कक्षाओं का 100त्न रहा जो आज तक के इतिहास में एक नया कीर्तिमान है। वर्तमान सत्र में सभी बोर्ड कक्षाओं में कुल 307 परीक्षार्थी प्रविष्ट हुए थे जिसमें मात्र 16 परीक्षार्थी तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए जबकि 144 परीक्षार्थी प्रथम एवं 147 परीक्षार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए, इस तरह वर्तमान सत्र का परीक्षा परिणाम ना केवल संख्यात्मक दृष्टि से अपितु गुणात्मक दृष्टि से भी लाजवाब रहा। सहशैक्षिक गतिविधियों में स्थानीय विद्यालय के 10 विद्यार्थी राज्यपाल पुरस्कार से पुरस्कृत हुए विद्यार्थियों ने जंबूरी में भाग लिया साथ ही कक्षा बारहवीं का विद्यार्थी अनिल कैलाश चंद्र डामोर जिसने तीरंदाजी में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व किया।विद्यालय की भौतिक सुख-सुविधाओं में इस सत्र 40 लाख की लागत से सर्व सुविधायुक्त दो प्रयोगशालाकक्ष

टीएडी मद बनवाये गये। विद्यालयी आवश्यकताओं अब केवल विद्यालय चारदीवारी शेष है जिसके लिए क्षेत्रीय विधायक मैडम रमिला जी खड़िया का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है और उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को आश्वस्त किया है कि बहुत शीघ्र ही विद्यालय की चारदीवारी एवं दो अतिरिक्त प्रयोगशाला कक्ष स्वीकृत करवाने का भरसक प्रयास रहेगा। प्रधानाचार्य भीमजी सुरावत ने बेहतर परीक्षा परिणाम 75त्न से अधिक अंक प्राप्त करने वाले बालक बालिकाओं को विद्यालय आमंत्रित करके उन्हें पुष्प हार से सम्मानित किया साथ ही उन्हें भावी पढ़ाई के लिए अच्छे से अच्छे अंक प्राप्त कर श्रेष्ठ मुकाम हासिल करने की शुभकामनाएं दी जिससे उन्हें स्वयं गौरव का अनुभव हो साथ ही साथ घर परिवार विद्यालय और क्षेत्र भी उनकी उपलब्धि पर गौरवान्वित महसूस कर सकें।

स्वावलंबी भारत अभियान वेबीनार बैठक संपन्न

अरुण जोशी

थांदला। पुनः बनाए भारत महान विचार को लेकर स्वावलंबी भारत अभियान हेतु स्वदेशी जागरण मंच एवं अनुषांगिक संगठनों की रतलाम विभाग की वेबीनार बैठक कल संपन्न हुई। उक्त बैठक में मध्य प्रदेश के प्रांत संगठक श्री केशव जी दुबौलिया मालवा प्रांत के प्रांत संयोजक डॉ हरिओम जी वर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक की शुरुआत श्री मनोज जी उपाध्याय द्वारा गायत्री मंत्र के साथ की गई। तत्पश्चात जिला संयोजक दिलीप जोशी द्वारा प्रांतीय अधिकारियों का परिचय करवाया गया।

प्रांत संगठन श्री दुबौलिया जी द्वारा आगामी 15 जुलाई से 21 अगस्त तक होने वाले स्वावलंबन भारत अभियान की विस्तृत कार्य योजना संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि स्वावलंबन से रोजगार सृजन आज की आवश्यकता है इस हेतु हम सबको युवाओं का मार्गदर्शन करना चाहिए। प्रात संयोजक डॉक्टर वर्मा द्वारा 15 जुलाई को जिला स्तर पर एवं आगामी दिनों में तहसील एवं कस्बा स्तर पर युवाओं को रोजगार सर्जन हेतु मार्गदर्शन देने संबंधी चर्चा की उन्होंने बताया कि 15 जुलाई विश्व कौशल उन्नयन दिवस पर युवाओं को रोजगार हेतु कौशल प्राप्त करने की आवश्यकता है इस हेतु प्रेरित किया जाए। श्री जोशी द्वारा जिले

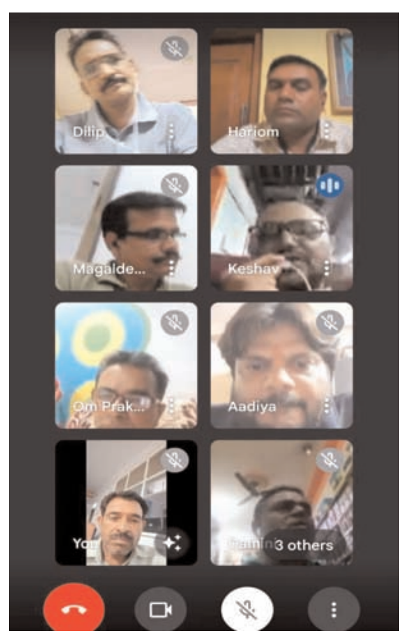

की कार्य योजना बताई गई। राकेश जी सहरिया विभाग संगठन मंत्री विद्यार्थी परिषद द्वारा कॉलेज स्तर पर रोजगार सृजन केंद्र स्थापना की आवश्यकता बता कर आवश्यक सहयोग हेतु सहमति व्यक्त की गई।

बैठक मे रतलाम जिला संयोजक श्री स्वतंत्र पाल सिंह देवड़ा द्वारा उधमिता व कौशल संबंधी विचार व्यक्त किए गए। श्री राजू धनक द्वारा गो से बने उत्पादों से रोजगार सर्जन विकसित करने की बात कही गई। बैठक में थांदला पेटलावद झाबुआ अलीराजपुर मेघनगर पेटलावद के पदाधिकारी मैं शामिल हुए ब्लॉक संयोजक अनिल पोरवाल द्वारा सभी प्रांतीय अधिकारियों रतलाम एवं झाबुआ जिले के पदाधिकारियों एवं अन्य कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त किया गया। बैठक के पश्चात थांदला एमजी रोड प्रधान कार्यालय पर विश्व जनसंख्या दिवस पर पर विचार गोष्ठी मैं प्रमुख रूप से कंचन सामाजिक संस्थान संपूर्ण भारत की राष्ट्रीय संचालक एडवोकेट कुमारी मयूरी धानक स्वदेशी जागरण मंच के जिला प्रचार संयोजक मोहन यादव गोरक्षा जिला रक्षक राधेश्याम रावल मंच के ब्लॉक अध्यक्ष मनोज उपाध्याय गौ रक्षा वाहिनी के प्रदेश महामंत्री मंच के मार्गदर्शन राजू धानक विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या नियंत्रण पर अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए जनसंख्या केस नियंत्रण हो स्वास्थ्य उपकरण जनता दल ले जाने की बात कही

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संजय बागड़ी हुए सम्मानित

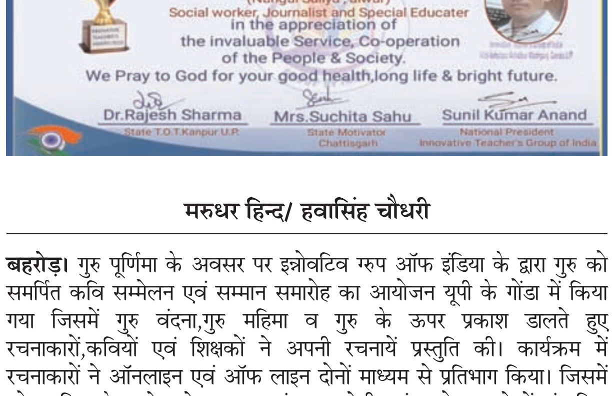

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

बहरोड़। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर इन्नोवटिव ग्रुप ऑफ इंडिया के द्वारा गुरु को समर्पित कवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन यूपी के गोंडा में किया गया जिसमें गुरु वंदना,गुरु महिमा व गुरु के ऊपर प्रकाश डालते हुए रचनाकारों,कवियों एवं शिक्षकों ने अपनी रचनायें प्रस्तुति की। कार्यक्रम में रचनाकारों ने ऑनलाइन एवं ऑफ लाइन दोनों माध्यम से प्रतिभाग किया। जिसमें कोटकासिम के जाने माने पत्रकार एवं समाजसेवी एवं बहरोड़ कस्बे में संचालित शरबती देवी दिव्यांग सशक्तिकरण केंद्र के विशेष शिक्षक संजय बागड़ी को भी सम्मानपत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक सुनील कुमार आनंद राष्ट्रीय अध्यक्ष इन्नोवेटिव टीचर ग्रुप ऑफ़ इंडिया ने बताया कि इस पर्व को हम अपने गुरु को समर्पित करते हैं जिन्होंने हमें ज्ञान देकर जीना सिखाया। कार्यक्रम संयोजक रमेश आनंद सचिव,गया प्रसाद आनंद कोषाध्यक्ष, भगवानदीन महामंत्री, बलजीत सिंह कनौजिया उपाध्यक्ष, वन्दना पटेल जिला प्रभारी ,जावेद कमर मीडिया प्रभारी ,महिला मोर्चा कार्यकारिणी विनीता कुशवाहा कुमकुम श्रीवास्तव एवं डॉ राजेश शर्मा राज्य स्तरीय प्रशिक्षक कानपुर ,सुचिता साहू छत्तीसगढ़ ,ज्योति हरियाणा,खुशवन्त यादव, पिंकी देवी अध्यक्ष शान्ती फाउंडेशन गोण्डा व आयोजक सुनील कुमार आनन्द के द्वारा सभी नवाचारी शिक्षकों को इन्नोवेटिव टीचर्स ग्रुप ऑफ़ इंडिया के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अलवर के कोटकासिम से संजय बागड़ी के साथ साथ अन्य सौ से अधिक शिक्षक,साहित्यकार व कलाकारों ने प्रतिभाग किया जिन्हें इस अवसर पर सम्मानपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत संयुक्त दल द्वारा कार्रवाई

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

बहरोड़। 13जुलाई 2022 को शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत तहसीलदार बहरोड के नेतृत्व में संयुक्त दल द्वारा कार्रवाई की गई जिसमें चार प्रतिष्ठानों पर स्पॉट सेंपलिंग कर 20 नमूनों की जांच की गई श्री आसिमदीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि एफएसएसए एक्ट के तहत सांवरिया रसगुल्ला भंडार बहरोड़ से रसगुल्ला का सैंपल लिया गया वहां मौजूद गुणवत्ता की कमी के कारण 20 किलो रसगुल्ला मौके पर नष्ट करवाया गया टीम द्वारा जटगावडा गांव में खोया निर्माता के यहां की बार-बार शिकायत मिलने के कारण कार्रवाई की गई और एफएसएसए एक्ट के तहत खोया का नमूना लिया गया एवम् साफ सफाई से कार्य करने के विशेष निर्देश दिए गए एवं औषधि नियंत्रण अधिकारी द्वारा दवाइयों के नमूने लिए गए एवं मेडिकल स्टोर की जांच की गई उक्त संयुक्त दल में प्रवर्तन निरीक्षक श्री विजय पाल यादव एवं श्री बलवीर सिंह एवं डेयरी प्रतिनिधि उमाशंकर खेड़ापति एवं पुलिस प्रशासन मौजूद रहा

प्रतिभाशाली छात्र दिगेन्द्र कटारा को भरतपुर में किया गया सम्मानित

मरूधर हिंद /आमिर खान कामां

कामां-भूरीसिंह व्यायामशाला में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों, पहलवानो व मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया7 सम्मानित होने वाले सभी लोगों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कामां कस्बे के अनामिका सीनियर सेकंडरी विद्यालय की व्यवस्थापिका अंकिता सिंघल ने बताया कामां के अनामिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल की दसवीं कक्षा में अध्ययनरत

कामां कस्बा निवासी दिगेन्द्र कटारा ने 98.33 प्रतिशत अंक हासिल कर भरतपुर जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था और विद्यालय व जिले का नाम रोशन किया था7 भरतपुर की भूरी सिंह व्यामशाला में संचालक चुन्नी कप्तान की देखरेख में आयोजित हुए सम्मान समारोह में अतिथियों द्वारा दिगेन्द्र कटारा को भरतपुर जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया7 समारोह में दिगेन्द्र कटारा के परिजनों को भी सम्मानित किया गया।

खेरली कस्बे में अग्रवाल समाज की कार्यकारिणी के चुनाव 17 जुलाई रविवार को अग्रवाल भवन खेरली में होंगे आयोजित।

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। खेरली कस्बे में अग्रवाल समाज कार्यकारिणी के चुनाव 17 जुलाई वार रविवार को अग्रवाल भवन में आयोजित किए जाएंगे। अग्रवाल समाज के चुनाव के लिए नियुक्त निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र प्रसाद मित्तल ने बताया कि अग्रवाल समाज की पूर्व कार्यकारिणी भंग होने के कारण सत्र 2022 एवं 24 के द्विवर्षीय कार्यकारिणी के चुनाव 17 जुलाई वार रविवार को आयोजित किए जायेंगे जिसमे अध्यक्ष, मंत्री एवं कोषाध्यक्ष सहित सात पदो पर चुनाव किया जाएगा चुनाव प्रक्रिया बोर्ड प्रणाली द्वारा की जाएगी। जबकि पूर्व में यह चुनाव फॉर्म प्रणाली द्वारा आयोजित किया जाता रहा है।

पोषण वाटिका का उद्घाटन वृक्षारोपण कर सौंपी सुरक्षा की जिम्मेदारी

अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। छोटी सरवन उपखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय शेर की रेल, में पोषण वाटिका का उद्घाटन एवं पौधरोपण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय खूंटड़िया के संस्था वनेश्वर गर्ग ने कहा कि उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपने बच्चों को पाल पोसकर निगरानी रखकर बड़ा करते हैं,ठीक उसी प्रकार से लगाए गए वृक्षों की भी हमें देखभाल करनी चाहिए। कोरोना काल में हमने ऑक्सिजन की कमी को देखा है और वृक्षारोपण से ही शुद्ध ऑक्सिजन मिलती है। साथ ही विद्यार्थियों को वृक्षारोपण की महत्ता शिक्षा को पर्यावरण से जोड़ कर समझाया। कार्यक्रम के अध्यक्ष सौरभ रावल ने ग्रामीणों से मानसून में अधिकाधिक वृक्ष लगाने की अपील की तथा विद्यालय में लगाये गए पौधों की देखभाल एवं सुरक्षा हेतु संकल्प दिलवाया।विद्यालय के नरेश पाटीदार ने पोषण वाटिका के संचालन के बारे में सभी को जानकारी प्रदान की साथ ही इससे होने वाले फायदों के बारे में ग्रामीण को जागरूक किया। इस अवसर पर भामाशाह जाग्रत परमार द्वारा उनके पिताजी की स्मृति में विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया जिसमें औषधीय पौधों को प्रमुखता दी गई । पौधरोपण के पश्चात विद्यार्थियों को केले एवं बिस्किट वितरित किये गए। कार्यक्रम में महिपाल सिंह झाला, नारायण बुनकर,रामधन मीणा, ब्रिजल भट्ट,एसएमसी सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

भोजराज पहुंचे शिक्षा जगत के अधिकारी, कर्मचारी और बेरोजगार जन प्रतिनिधि सोपा 58हजार? एक सो रुपयो का चेक दिया और तीनो दिवगंत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी

अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ उप खंड क्षेत्र के खेड़ा धरती घाटा क्षेत्र के भोराज गांव में पांच जुलाई को आकाशीय बिजली गिरने से तीन जनों की मौत हो गई थी। जंहा ??आज भोजराज में कुशलगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र भोराज मोहकमपुरा में आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई थी। पूरे क्षेत्र में इस हादसे की वजह मातम छा गया था। हादसे में पीड़ित परिवार को अधिकारी, कर्मचारी ,बेरोजगार जनप्रतिनिधि की तरफ से 58100 रुपए की राशि का चेक आज प्रदान

किया गया।जिसमें नोडल अधिकारी कुशलगढ़ के प्रधानाचार्य भीमजी सुरावत ,मोकमपुरा सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य प्रताप सिंह अमलियार ,नागदा के प्रधानाध्यापक मुकेश बारिया ,समाजसेवी मांगीलाल वसुनिया वरिष्ठ अध्यापक करण सिंह अड़ ,प्रकाश मईडा ,बलवंत गणावा, दिनेश डामोर ,वालसिंह भाभोर, मोहनलाल वसुनिया ,कालू सिंह डिंडोर संतोष दामा,हकरकंद अमलियार, व्याख्याता राकेश देवदा ,कैलाश बारिया , विकेश चारेल ,ईश्वर मईडा सुनील गुर्जर, मुकेश डिंडोर आदि कर्मचारियों ने परिवार को सांत्वना दी।

सरिस्का इको सेंसेटिव जोन को लेकर हुई बैठक

मरुधर हिन्द/ दीक्षित कुमार

अलवर। सरिस्का इको सेंसेटिव जोन को लेकर हुई बैठक। बैठक के दौरान मंत्री टीकाराम जूली, शकुंतला रावत, हेमाराम चौधरी का अलवर, राजगढ़ से आए व्यापारियों, कारोबारियों ने किया स्वागत सचिवालय के एंट्रेंस गेट पर गहलोत सरकार जिंदाबाद के लगाए नारे मंत्री टीकाराम जूली ने कहा अलवर जिले के

अंदर काफी व्यापारी बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाईयां लगी हुई हैं सुप्रीम कोर्ट के एक सुर्कलर को लेकर असमंजस की स्थिति थी। अब बैठक में यह तय किया गया कि जो इंडस्ट्री पहले से चल रही है वह इस आदेश से प्रभावित नहीं हो रही उनको चलते दिया जाना चाहिए।

बोल अनमोल

साधारण दिखने वाले लोग ही दुनिया के सबसे अच्छे लोग होते हैं, यही वजह है कि भगवान ऐसे बहुत से लोगों का निर्माण करते हैं। - *अब्राहम*

फिर परेशानी में कांग्रेस

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की अगुआई वाली महा विकास आघाड़ी सरकार गिरने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ कि बीजेपी पर गोवा में कांग्रेस के विधायक तोड़ने को कोशिशों का आरोप लग गया। हालांकि वहां बीजेपी के प्रमोद सावंत ही मुख्यमंत्री हैं और 40 विधायकों वाली विधानसभा में उनकी सरकार को 25 विधायकों का समर्थन हासिल है। लेकिन बीजेपी के अपने विधायकों की संख्या वहां 20 ही है। दो महीने पहले ही बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी सीटी रवि ने कहा था कि साल खत्म होते-होते विधानसभा में बीजेपी विधायकों की संख्या बढ़कर 30 हो जाएगी। ठीक तीन साल पहले गोवा में ही कांग्रेस के दो तिहाई - कुल 15 में से 10 - विधायक पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे। मगर इस बार खास बात यह रही कि पार्टी ने पिछली बार जैसा आलस्य नहीं दिखाया। खबर मिलते ही वह तुरंत हरकत में आई। संबंधित विधायकों से संपर्क किया गया और पार्टी का दावा है कि सात विधायक न केवल उसके संपर्क में हैं बल्कि पूरी तरह से पार्टी के साथ हैं। अगर यह दावा सच है तो माना जा सकता है कि दलबदल की ताजा कोशिश नाकाम हो गई है क्योंकि 11 सदस्यीय कांग्रेस विधायक दल में दलबदल विरोधी कानून के तहत कार्रवाई का खतरा मोल लिए बगैर फूट डालने के लिए आठ विधायकों की जरूरत थी। अगर इतने विधायक चले जाते तो बाकी विधायक भी आसानी से उस समूह का हिस्सा बन सकते थे। लेकिन पार्टी की संपर्क सीमा से बाहर जा चुके विधायकों की संख्या अगर सिर्फ चार है तो पार्टी में फूट का कोई प्रत्यक्ष खतरा तत्काल नहीं है। संभवतः यही वजह है कि पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष से जिन विधायकों को अयोग्य ठहराने की गुजारिश की है, उनकी संख्या दो ही है। आगे क्या होगा, इस बारे में दावे से कुछ नहीं कहा जा सकता लेकिन अब तक चूंकि कोई दलबदल वास्तव में हुआ नहीं, इसलिए अभी सबकुछ कांग्रेस के आरोप की शक्ल में ही है। बीजेपी इन आरोपों को मनगढ़ंत बता रही है। हालांकि कांग्रेस को इन पर इतना यकीन है कि वह अपने दो नेताओं की अयोग्यता रद्द करवाने पर डटी हुई है। वैसे आरोप-प्रत्यारोप के इस सिलसिले से अलग हटकर देखा जाए तो इधर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक जैसे कई प्रदेशों में कांग्रेस या कांग्रेस गठबंधन सरकारें गिरी हैं। उसके बड़े नेता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। कांग्रेस को इस मुश्किल दौर से निकलने का रास्ता ढूंढना होगा। पार्टी को अपने नेताओं और कार्यकताओं में भरोसा जगाना होगा कि वह देशभर में विपक्षी दलों के साथ मिलकर बीजेपी को चुनौती दे सकती है। अगर वह ऐसा नहीं कर पाई तो ऐसी मुश्किलें उस पर बार-बार आएंगी।

आज के ट्वीट

हम यह सुनिश्चित करने में बहुत स्पष्ट और बहुत सक्षम रहे हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति को एकतरफा ढंग से बदलने का कोई भी प्रयास हमारे द्वारा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोनों देशों के सैन्य कमांडरों और राजनयिकों के बीच बातचीत के जरिए सीमा मुद्दे को सुलझाने के प्रयास जारी हैं। सीमा मुद्दा मुख्यतः कांग्रेस शासन के दौरान 1962 में लद्दाख सहित भारत के एक बड़े हिस्से पर चीन द्वारा कब्जा किए जाने के कारण है।

- एस जयशंकर

हमें अपने कर्तव्यों को अपने अधिकारों से अलग नहीं मानना चाहिए। हम अपने कर्तव्यों के लिए जितना परिश्रम करेंगे, हमारे अधिकारों को भी उतना ही बल मिलेगा। हमारी कर्तव्य निष्ठा ही हमारे अधिकारों की गारंटी है। देश के सांसद के रूप में, राज्य के विधायक के रूप में हमारी ये भी ज़िम्मेदारी है कि हम लोकतंत्र के सामने आ रही हर चुनौती को मिलकर हराएं।

- नरेंद्र मोदी

आज का इतिहास

- **1996 - सं.रा. अमेरिका ने पाकिस्तान को ब्राउन संशोधन के अंतर्गत हथियार भेजने प्रारम्भ किये।**
- **2003 - रूस की येलेना इसिनबायेवा ने महिला पोल वाल्ट में नया विश्व रिकार्ड बनाया।**
- **2007 - फिलिस्तीन के प्रधानमंत्री सलम फयाद ने अपने पद से इस्तीफा दिया।**
- **2008 - नेपाल की कार्यकारी संसद ने प्रधानमंत्री के निर्वाचन वाले संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दी। वेनेजुएला की डायना मेंडोजा ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीता। विश्व की सबसे बुजुर्ग इंटरनेट ब्लॉगर के रूप में चर्चित आस्ट्रेलियाई महिला का निधन।**

जन्मे जो आज के दिन

गोपाल गणेश आगरकर

भारत के प्रसिद्ध समाज सेवकों में लिया जाता है। एक पत्रकार के रूप में भी उन्होंने प्रसिद्धि पाई थी। वे प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बालगंगाधर तिलक के सहपाठी रहे थे। उन्होंने 'सुधारक' नामक एक साप्ताहिक भी निकाला था। गोपाल गणेश आगरकर जी वर्ष 1892 में फर्ग्युसन कॉलेज, पुणे के प्रधानाध्यापक बनाये गए थे और फिर इस पद पर वे अंत तक रहे।लोकमान्य बालगंगाधर के सहपाठी और सहयोगी गोपाल गणेश आगरकर जी का जन्म 14 जुलाई, 1956 ई. को महाराष्ट्र में सतारा ज़िले के 'तेम्भू' नामक स्थान पर हुआ था। उन्होंने पुणे के 'दक्कन कॉलेज' में उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। अपने विद्यार्थी जीवन में ही उन्होंने देश और समाज सेवा का व्रत ले लिया था।

- **1971 - अनिल फिरोजिया - उज्जैन से भाजपा के लोकसभा सांसद हैं।**
- **1900 - देशबंधु गुप्त - प्रसिद्ध राष्ट्र भक्त, स्वतंत्रता सेनानी।**

सद्गुरु की तलाश में..!

जयराम शुक्ल

विगत कुछ वर्षों से गुरु पूर्णिमा पर आस्था का प्राकट्य अपनी पराकाष्ठा में देखने को मिलने लगा है। इसे ऐसा भी कह सकते हैं कि अंधेरा जितना ही घना होता है रोशनी की किरण उतनी ही महत्वपूर्ण होती जाती है। भौतिकवादी दौर ने हमारे सनातनी ज्ञान और मूल संस्कृति को ढांप लिया है। अवचेतन में हम उसी अंधकार से निकलने की चेष्टा करते हैं। पर सही पथप्रदर्शक न होने की वजह से एक गड्ढे से निकलते हैं तो चोहड़े में गिर पड़ते हैं। ऐसे में सद्गुरु की आवश्यकता और भी प्रबल हो जाती है। गुरु तो गली-गली मिल जाएंगे पर सद्गुरु को विवेक के टार्च से तलाशना पड़ता है। गुरु पूर्णिमा इस विवेक के टार्च को प्रज्ज्वलित करने का अवसर है जो प्रतिवर्ष आता है। जिसे सद्गुरु मिले वे वैसे ही धन्य हो जाते हैं जैसे कि गोस्वामी तुलसीदास..। ज्ञानशिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी के लिए बजरंगबली देवता, ईश्वर नहीं, बल्कि सद्गुरु हैं। गोस्वामी जी कहते हैं-

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर। जय कपीश तिहुं लोक उजागर।।
जय जय जय हनुमान गोसाईं। कृपा करहुं गुरुदेव की नाईं।।

महाकवि तुलसीदास ने हनुमान जी को गुरु बनाया और उनकी प्रेरणा से रचित ग्रंथों ने उन्हें अजर-अमर कर दिया, तो मैं मानता हूं कि हनुमानजी महाराज से बड़ा सद्गुरु इस जगत में कोई नहीं..। महाभारत में यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा- कि पंथाः? जवाब मिला- महाजनों येन गतो सो पंथाः। यानी कि श्रेष्ठ जन जिस मार्ग पर चलें वही अनुकरणीय- अनुशरणीय है। सो इस जगत में मैं हनुमानजी महाराज से श्रेष्ठ गुरु और किसे मानूं... सो अपन ने भी बजरंगबली को गुरुदेव मान लिया। सत्य यही है कि हनुमानजी कागज-कलम मसिजीवियों के लिए प्रथमेश हैं।

गोसाईं जी जब भी वे अपने गुरु का बखान करते हैं तो समझिये हनुमान जी का ही करते हैं। हनुमान चालीसा का आरंभ.. श्री गुरु चरण सरोज रज..से करते हुए कामना करते हैं और ऐसी ही कामना की प्रेरणा देते हैं..

सच पूछिये जिंदगी गुरु बिन व्यर्थ है। अध्यापक, शिक्षक, उपदेशक तो हमको हर मोड़, गली, चौरस्ते में मिल जाते हैं पर गुरु नहीं। बात सिर्फ गुरु भर से ही नहीं बनती। कबीर-नानक कहते हैं गुरु नहीं ज्ञान व मुक्ति के लिए सद्गुरु चाहिए। क्योंकि सद्गुरु दुर्लभ ही मिलते हैं, गुरु के वेश में घंटाल ज्यादा।

कभी कभी लगता है कि राम-कथा सद्गुरु और गुरु घंटाल के बीच का भी संग्राम रहा। यानी कि हनुमानजी और रावण के बीच का। पुराणों में रावण को भी तो परमज्ञानी और रक्षसंस्कृति का प्रवर्तक बताया गया है। एक प्रसंग से मैं अपनी बात प्रारंभ करता हूं। हनुमानजी लंका जाते हैं तो सबसे पहले लंका की कुलरक्षक देवी लंकिनी को अपनी शिष्या बनाने का काम करते हैं। लंकिनी हनुमानजी से कहती है- "तू तो मेरा आहार है, कैसे चोरी छुपे घुसा जा रहा है।" हनुमानजी जवाब देते हैं, "जगत का सबसे बड़ा चोर तो लंका में रहता है। पराई नारी को छल से हर लाया। तेरा काम यदि लंका की चोरों से रखवाली करनी है तो पहले रावण को ही पकड़।" लंकनी भ्रमित हो गई कि कौन बड़ा चोर, रावण कि हनुमानजी? गोस्वामी जी कहते हैं-

मुटका एक महाकपि हनी। रुधिर वमत धरती ढनमनी।।

इस चौपाई को संकेतों में समझिए। भला बजरंगबली के एक मुटके से कोई बच सकता है और वह भी जो राक्षस कुल का है। हनुमानजी ने लंकनी को भौतिक रूप से मुष्टिका प्रहार नहीं किया.. वह मुटका ज्ञान का मुटका था। उस मुटके ने लंकनी को लंका के पापों से 'विरक्त' कर दिया। विरक्त होने के बाद -

पुनि संभार उठी सो लंका। जोरि पानि कर विनय सशंका।।

और उसके बाद लंकनी तो मानों परमज्ञानी और भगवद्चरित्र की प्रवाचक ही बन गई। गोसाईं जी ने सुंदरकांड का सबसे खूबसूरत व अर्थवान दोहा लंकनी के खाते में डाल दिया। कौन सा दोहा..

तात स्वर्ग-अपवर्ग हियधरी तुला एक अंग।
तूल न ताहि सकल मिलिजो सुख लव सत्संग।।

यानी कि तराजू के पलड़े में सत्संग के सुख के आगे स्वर्ग का सुख पासंग बराबर नहीं है। बजरंगी बली का वह मुटका ज्ञान का मुटका था, जो लंकनी की पीठ पर नहीं मष्तिष्क पर पड़ा और वह लंका में हो रहे अन्याय.. रावण के धतकरमों से 'वि-रक्त' हो गई। सद्गुरु का महात्म्य देखिए कि उससे संस्कारित शिष्य तत्काल ही अपने गुरु को उपदेश देने लगता है शुभेच्छा व्यक्त करने लगता है।

गोसाईं जी ने एक और खूबसूरत चौपाई लंकनी के खाते में डाल दी..और डालें भी क्यों न लंकनी को उन्होंने अपनी गुरुबहन जो मान लिया। तो वो चौपाई है-

प्रबिसि नगर कीजै सब काजा। ह्रदय राखि कौशलपुर राजा।।

गजब की चौपाई है यह। हनुमानजी तो रामकाज के लिए कौशलाधीश भगवान रामचंद्र को ह्रदय में स्थापित करके ही लंका चले थे.. जिस लंकनी को उन्होंने संसारसागर से विरक्त कर दिया वही अब उन्हें उपदेश दे रही है। सद्गुरु की यही असली पहचान है कि उनका शिष्य भी उन्हीं की भाषा बोलने लगे। सो मैंने अपना सद्गुरु हनुमानजी को ही मान लिया। वे मेरे लिए चमत्कारिक देवता या रुद्रांश नहीं हैं मैं उन्हें वैसे ही सद्गुरु के रूप में देखता हूं जैसे वि-रक्त होने के बाद लंकिनी..।

बजरंगबली परमप्रभु की प्राप्ति विरक्त होने का ज्ञान देते हैं और इधर मनुष्य है कि उसका हर रिश्ता स्वार्थ की रस्सी से बंधां होता है। अब तो पिता और पुत्र के बीच में भी यही रिश्ता देखने को मिलता है, दूसरों को क्या कहिए।

दाढ़ी वाले कनफुकवा तोंदियल अपन की समझ में कभी नहीं आए। एक कान में जो मंत्र फूकते हैं वह दूसरे से निकल जाता है। फिर उनके आशीर्वाद का वजन भी भक्त की आर्थिक हैसियत के हिसाब से होता है। अजकल ऐसे महंत, पंडे भी अपनी महिमा की मार्केटिंग करते हैं। बाकायदा उनकी प्रपोगंडा टीम होती है जो प्रचारित करती है कि ये कितने महान व चमत्कारी हैं। देश और बाजार के कौन कौन जोधा उनके चेले हैं। ऐसे भी कई गुरू हैं जो औद्योगिक घरानों के बीच अर्बिटेशन का काम करने के लिए जाने जाते हैं। एक बार एक मित्र एक चमत्कारी संत के यहां ले गए। चुनाव का सीजन था। टिकटार्थी लाइन पर लगे थे। मित्र भी लाइन में लग गए। संतजी भगत के चढ़ावा के हिसाब से पार्षदी से लेकर सांसदी तक की टिकट के लिए मैय्या से विनती करते थे। मित्र के लिए मैय्या से विधायकी की सिफारिश की। अब तक मित्र के उम्र की मैय्यत भी निकल गई टिकट नहीं मिली। चमत्कारी संत के लगुआ ने बताया कि मेरे मित्र के प्रतिद्वंद्वी ने ज्यादा भक्ति की सो टिकट उसको मिल गई। सो उसी दिन समझ में आ गया कि... जो ध्यावे फल पावे... का क्या अर्थ होता है। बहरहाल हर गुरु पूर्णिमा में चांदी तो इन्हीं की कटती है। ये अपने अपने विश्वास की बात है... विश्वास जिंदा रहे... धर्म के नाम का धंधा फले फूले। इनकम टैक्स, इनफोर्समेंट की काली छाया इनपर कभी न पड़े। जनता टैक्स पर टैक्स दे देकर इनके दर पर जैकारा मारती रहे। सरकारें आती जाती रहें और आश्रमों का टर्नओवर इसी तरह दिनदूना रात चौगुना बढ़ता रहे। बचपन में भागवत कथा सुनने जाता था। देवताओं राक्षसों के बीच ढिसुंग-ढिसुंग की कहानियां सुनकर बड़ा मजा आता था। पर जब गुरु बाबा काम, क्रोध, मद, मोह और माया (धन दौलत) त्यागने का उपदेश देने लगते तो बोरियत होने लगती थी। अपने गांव में देखा गुरु बाबा लालबिम्ब और जजमान मरियल सा। रहस्य था गुरुबाबा दस दिन देशी घी की हलवा पूरी छानते थे और उनके आदेश पर बपुरा जजमान उपासे कथा सुनता था।

गए साल मित्र के यहां भागवत हुई। रिश्ता निभाना था सो गया..पता चला मोहमाया, लोभ त्यागने का उपदेश देने वाले पूरे दस लाख के करारनामे में आए थे। सो ऐसे कई वाकए हैं कि न मेरा शिक्षा में कोई गुरु हुआ, न पेशे में और न ही कनफुकवा मंत्र देने वाला। मैं तलाशता रहा कि कोई गुरु मिले स्वामी रामानंद जैसा जो कान में यह फूंकते हुए ह्रदय में उतर जाऐ ..कि *जाति पांति पूछे नहि कोय, हरि को भजै सो हरि का होय।* रैदास जैसा भी कोई नहीं मिला जिसके मंत्र ने क्षत्राणी मीरा कृष्ण की दीवानी मीरा बन गई। कबीर, नानक जैसे सद्गुरु आज के दौर में होते और तकरीर देते तो उनकी मुंडी पर कितने फतवे और धर्मादेश जारी होते हिसाब न लगा पाते। नेकी कर दरिया में डाल.. जैसा उपदेश देने वाले बाबा फरीद होते तो यह देखकर स्वमेव समाधिस्थ हो जाते कि.. नेकी की सिर्फ बातकर, विज्ञापन छपा और टीवी में जनसेवा के ढोल बजा।

अपन ने बजरंग बली को गुरु इसलिए बनाया कि भक्तों से उनकी कोई डिमांड नहीं। सिंदूर चमेली का चोला व चने की दाल चढ़ाने वालों दोनों पर बराबर कृपा बरसाते हैं। वे सद्बुद्धि के अध्येता हैं। डरपोक सुग्रीव को राज दिलवा दिया। विभीषण को मति देकर राक्षस नगरी से निकाल लाए व लंकाधिपति बनवा दिया। वे गरीब गुरबों के भगवान हैं। वे लिखने पढ़ने वालों के प्रेरक हैं। वे वास्तव में सद्गुरु हैं।

हनुमत चरित अपने आप में ज्ञान का महासागर है सो साल का हर दिन ही मेरे लिए उनका प्रकटोत्सव है, गुरु पूर्णिमा जैसा है। इसलिए हर दिन उन्हें ही स्मरण करता हूं कि बजरंगबली सदा सहाय करें।

संपर्कः 8225812813

क्या सबक दे रहा 'जलता श्रीलंका'

राजेश द्विवेदी

आज हमारा पड़ोसी देश श्रीलंका बेहद गंभीर हालातों से गुजर रहा है। हमारे देश के साथ श्रीलंका का गहरा रिश्ता रहा है। हमारा सबसे बड़ा धर्मग्रंथ रामायण श्रीलंका का जिक्र किए बना अधूरा है। कालांतर में श्रीलंका और भारत के व्यवसायिक क्षेत्र में भी खास रिश्ते बने। ऐसे में जब श्रीलंका पर राजनीतिक और आर्थिक संकट आया है तो हमें भी सतर्क रहने की जरूरत है। श्रीलंका की हालत बताती है कि जिस देश की जनता ने अपने हुक्मरानों पर आंख मूंदकर भरोसा किया और अपनी उन्नति के लिए चीन जैसे देशों के कर्ज पर निर्भर रहे उस देश को इसकी खासी कीमत चुकानी पड़ी। श्रीलंका फिलहाल यही कीमत चुका रहा है। श्रीलंका की राजनीति में राजपक्षे के खानदान पर जनमानस ने पूरा भरोसा किया जिससे चीनपरस्त इस परिवार का सत्ता में कब्जा होता चला गया, उससे देश के फैसले प्रभावित होने लगे, खासतौर से आर्थिक नीतियां। सरकार की गलत नीतियां, आर्थिक कुप्रबंधन और सत्ता में परिवारवाद की बीमारी एक खुशहाल देश को कैसे कंगाल बना देती है, इसे आज श्रीलंका में साफ तौर पर देखा जा सकता है। इस मुल्क को लेकर आए दिन जैसी खबरें आ रही हैं, वे भयावह तस्वीर पेश करती हैं। महंगाई और बेरोजगारी की बात तो दूर, लोग अब दाने-दाने को मोहताज हो रहे हैं। हालत यह है कि लोगों को रसोई गैस तक नहीं मिल रही। इसलिए वे अब लकड़ियां जलाने को मजबूर हो गए हैं। परिवहन व्यवस्था ठप पड़ गई है। श्रीलंका सरकार ने स्कूल बंद कर दिए हैं, ताकि बच्चों को लाने-ले जाने का झंझट न रहे। ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि लोग बच्चों को दिन में बारह बजे तक इसलिए सुला रहे हैं ताकि उन्हें नाश्ता न देना पड़े। संपन्न तबका भी बेहद डरा हुआ है। लोगों ने खानपान से लेकर दूसरे जरूरी घरेलू खर्चों में भी खासी कटौती कर दी है, इस डर के मारे कि न जाने ऐसे हालात कितने दिन देखने पड़े।

श्रीलंका सरकार ने दूसरे देशों से अत्यधिक कर्ज लेकर देश की अर्थव्यवस्था को गर्त में पहुंचा दिया है। भारत समेत अन्य देशों को इससे यह सबक लेना चाहिए कि वे अधिक कर्ज लेकर देश की अर्थव्यवस्था को संकट में न डालें। श्रीलंका संकट असल में इस देश की कर्ज में डूबी अर्थव्यवस्था और एक ही परिवार के शासन के कारण उपजी राजनीतिक अव्यवस्था का नतीजा है। लंबे समय तक एक ही परिवार का शासन निरंकुशता को जन्म देता है और जनता धीरे-धीरे विद्रोही हो जाती है। यह विद्रोह शासकों के लिए संकट बन जाता है। श्रीलंका संकट हमें सबक देता है कि

अर्थव्यवस्था को विदेशी कर्ज से यथासंभव बचा कर रखना व लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास बनाए रखना आवश्यक है। श्रीलंका की यह स्थिति एक दिन में निर्मित नहीं हुई है और जनता का गुस्सा अचानक नहीं फूटा। आर्थिक संकट से जूझते देश में जिस तरह की राजनीतिक अस्थिरता बनी, उसमें आज नहीं तो कल यह होना ही था। जनता ने बड़े भरोसे और उम्मीदों के साथ एक दशक तक जिस सरकार को सत्ता सौंप रखी थी, आज वह उन्हीं के घर फूंकने पर वह उतारू हो गई है। इतना बड़ा कांड अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे काफी पहले से और कई कारण देखे जा सकते हैं। अब यह कहने में किसी को हिचक नहीं हो सकती कि ऐसी नौबत इसलिए आई, क्योंकि राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे पद छोड़ने को तैयार नहीं थे। न ही वे देश की आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं का हल निकाल पा रहे थे। गौरतलब है कि दो महीने पहले प्रदर्शनकारियों ने तब के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे, जो राष्ट्रपति के सगे बड़े भाई हैं, के घर में घुस कर उसे भी आग के हवाले कर दिया था। इस घटना के बाद महिंदा राजपक्षे ने इस्तीफा दे दिया था और चुपचाप भाग निकले थे। अब वही हाल गोटबाया राजपक्षे का हुआ। कहा जा सकता है कि जनता ने बिगुल बजा दिया है।

लंबे समय से कंगाली झेल रहे इस प्रायद्वीप में आज लाखों लोग सड़कों पर हैं। इनमें आमजन के अलावा वकील, पुलिसकर्मी, सरकारी कर्मचारी, रेल कर्मचारी, शिक्षक, स्वास्थ्यकर्मी आदि सब शामिल हैं। सबकी एक ही मांग रही कि राष्ट्रपति सहित मौजूदा सरकार हटे और ऐसी सरकार बने जो देश को आर्थिक संकट से निकाल सके। अब यह तो साफ हो गया है कि कार्यवाहक राष्ट्रपति और अंतरिम सरकार ही इस देश का भविष्य तय करेंगे। दरअसल, श्रीलंका जिस विकट परिस्थिति से गुजर रहा है, उसका तात्कालिक समाधान किसी के पास नहीं दिखता। नई सरकार किसी की भी बने या सर्वदलीय ही क्यों न हो, उसके सामने पहली चुनौती देश को आर्थिक संकट से उबारने की होगी। हालात ऐसे हो गए हैं कि चाहे कुछ भी कर लिया जाए, श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में सालों लग जाएंगे। श्रीलंका की ऐसी दुर्गति के पीछे एक और बड़ा कारण अंदरूनी भ्रष्टाचार भी माना जा रहा है। उन हालात में भी लगातार एक दशक तक राजपक्षे परिवार सत्ता पर काबिज रहा। राजपक्षे खानदान शुरू से चीन समर्थक रहा। बड़े कारोबारी और वित्तीय निर्णय भी चीन को लाभ पहुंचाने वाले रहे। इसके बदले चीन श्रीलंका को भारी कर्ज देता रहा। आज श्रीलंका चीन के कर्ज में दबा पड़ा है। देश का खजाना खाली है। जनता के पास ईंधन, दवाइयां और खाद्य सामग्री खरीदने तक के लिए पैसे नहीं है। आबादी का बड़ा हिस्सा दो-दो दिन भूखे रहने को मजबूर है।

श्रीलंका हमारा पड़ोसी देश है और वहां होने वाली राजनीतिक व आर्थिक गतिविधियां भारत को भी प्रभावित करती हैं। ऐसे में आर्थिक मोर्चे पर जो सबसे पहला सबक भारत को श्रीलंका संकट से लेने की जरूरत है वो है विदेशी मुद्रा भंडार पर नजर रखने की। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार कुछ महीनों में गिरा जरूर है, लेकिन फिलहाल वो साल भर के आयात बिल के भुगतान करने के लिए काफी है। इस लिहाज से भारत के लिए चिंता की कोई बात नहीं है, लेकिन लंबे अंतराल में केंद्र सरकार को इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि भारत सरकार अपने आयात बिल को कैसे कम कर सके। भारत के लिए जरूरी है कि आने वाले दिनों में वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोत, कोयला के लिए विदेशी निर्भरता को कम करें साथ ही साथ खाने के तेल का उत्पादन किस तरह से देश में ही बढ़ाया जाए इस तरफ ध्यान देने की जरूरत है, इससे आयात बिल को कम करने और आत्मनिर्भर होने में मदद मिलेगी। श्रीलंका संकट का दूसरा पहलू राजनीतिक है। उस लिहाज से भी कई ऐसी चीजें हैं जो भारत सीख सकता है मसलन सत्ता का केंद्रीकरण। सत्ता का केंद्रीकरण कुछ लोगों के हाथों में सालों तक होना भी किसी देश के हित में नहीं है। श्रीलंका की सत्ता में राजपक्षे परिवार का सालों से दबदबा रहा है, वैसे ही हालात कुछ कुछ भारत में भी है, जहां ऐ परिवार का दबदबा कई सालों तक रहा। यहां भी आर्थिक और राजनीतिक फैसले लेने का अधिकार सरकार के कुछ चुनिंदा सलाहकारों के हाथ में है। श्रीलंका संकट की ओर इशारा करते हुए कोटक महिंद्रा बैंक के सीईओ उदय कोटक ट्वीट कर ठीक ही कहते हैं कि "एक 'जलता लंका' हम सबको बताता है कि क्या नहीं करना चाहिए"। श्रीलंका संकट से सबक लेते हुए भारत सरकार को भी ऐसी रणनीतियों को धर देना चाहिए जो देश को आत्मनिर्भर बनाए, विदेशी कर्ज पर निर्भरता कम करे ताकि भ्रष्टाचार मुक्त समाज की सशक्त इमारत तैयार हो सके।

भयावह रूप लेता ध्वनि प्रदूषण

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा हाल में जारी वार्षिक फ्रंटियर्स रिपोर्ट, 2022 के मुताबिक उत्तर प्रदेश का मुरादाबाद बांग्लादेश की राजधानी ढाका के बाद दुनिया का दूसरा सर्वाधिक ध्वनि प्रदूषित शहर है। यह भारतीय शहर दुनिया के उन शीर्ष आठ शहरों में शामिल है, जहां शोर का औसत स्तर 100 डेसिबल से ऊपर पहुंच चुका है। ढाका में दिन के समय शोर का स्तर 119 डेसिबल पहुंच जाता है, जबकि रामगंगा नदी के तट पर अवस्थित मुरादाबाद में इसे 114 डेसिबल दर्ज किया गया है। इस सूची में कोलकाता और आसनसोल (89 डेसिबल), जयपुर (84 डेसिबल) और दिल्ली (83 डेसिबल) भी शामिल हैं, जहां ध्वनि आवृति विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित मानक से अधिक पायी गयी है। गौरतलब है कि 2018 में जारी अपने दिशानिर्देशों में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दिन के समय ध्वनि प्रदूषण के विभिन्न स्त्रोतों के लिए पृथक मापदंड जारी किये थे।

सुधीर कुमार

इसके मुताबिक सड़क यातायात में दिन के समय शोर का स्तर 53 डेसिबल, रेल परिवहन में 54, हवाई जहाज और पवन चक्की चलने के दौरान 45 डेसिबल से अधिक नहीं होना चाहिए। इससे ऊपर का शोर स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वायु प्रदूषण के बाद शोर स्वास्थ्य समस्याओं का दूसरा सबसे बड़ा पर्यावरणीय कारक है। जाहिर है, शोर का बढ़ता स्तर खतरे का सूचक है, जिसे अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। बेशक कर्णप्रिय, हल्की और मधुर ध्वनि रोजमर्रा की जिंदगी का एक महत्वपूर्ण और मूल्यवान हिस्सा है, लेकिन परिवेश की ध्वनि जब 'शोर' बन जाती है, तो यह हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने लगती है। वायु और जल प्रदूषण की तरह ध्वनि प्रदूषण भी एक गंभीर पर्यावरणीय समस्या बनती जा रही है। यह एक अदृश्य खतरा है, जिससे बचकर न रहा जाये, तो यह हमारे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य और जीवनशैली को प्रभावित कर सकता है। ध्वनि प्रदूषण को सभी आयु वर्ग और सामाजिक समूहों में एक 'शीर्ष पर्यावरणीय जोखिम' और 'सार्वजनिक स्वास्थ्य बोझ' के रूप में देखा जाने लगा है। लंबे समय तक उच्च स्तर के शोर के संपर्क में रहने से मानव का स्वास्थ्य और विकास दोनों प्रभावित होता है।

शोर लोगों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव डालता है। अवांछित और अप्रिय शोर हमें परेशान कर सकता है और तनावग्रस्त बना सकता है। इससे नींद में खलल पड़ती है। नींद खराब होने से सेहत प्रभावित होती है। उच्च ध्वनि का श्रवण हमारे सुनने की क्षमता को कमजोर कर बहरेपन की ओर ले जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनियाभर में लगभग डेढ़ अरब लोग इस समय कम सुनाई देने की अवस्था के साथ जीवन गुजार रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट दर्शाती है कि 2050 तक दुनिया में हर चार में से एक व्यक्ति यानी लगभग 25 प्रतिशत आबादी किसी न किसी हद तक श्रवण क्षमता में कमी की अवस्था के साथ जी रही होगी। ऐसे में कानों की सुरक्षा भी अहम हो जाती है। माना जाता है कि 85 डेसिबल या इससे अधिक आवृत्ति की ध्वनि किसी व्यक्ति के कानों को नुकसान पहुंचा सकती है। चिकित्सकों के अनुसार, तेज आवाज के संपर्क में आने से उच्च रक्तचाप, ह्रदय रोग का खतरा बढ़ सकता है। बच्चों, बूढ़ों और गर्भवती महिलाओं पर इसका सर्वाधिक दुष्प्रभाव होता है। उच्च ध्वनि क्षेत्रों में रहने से याददाश्त में कमी, ध्यान लगाने में परेशानी, पढ़ाई-लिखाई प्रभावित होना भी आम बात है। जो लोग ऐसे इलाकों में लंबे समय तक रहते हैं, वे पहले की तुलना में अपेक्षाकृत जोर से बोलना शुरू कर देते हैं और उन्हें धीमी आवाज सुनने में भी परेशानी होने लगती है। अपनी आवाज को दूसरों तक पहुंचाने के लिए भी वे अक्सर चिल्ला देते हैं, जिससे उनके शरीर और मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ध्वनि प्रदूषण के चलते होने वाली 'टिनिटस' एक आम बीमारी है, जिसे कान बजना भी कहा जाता है।

मानव कान अनुश्रव्य (20 हट्र्ज से कम आवृत्ति) और पराश्रव्य (20 हजार हट्र्ज से अधिक आवृत्ति) ध्वनि को सुनने में अक्षम होता है, लेकिन लगातार शोर के संपर्क में रहने से मानव कान कमजोर होते जा रहे हैं। इससे कानों में झनझनाहट की शिकायत बढ़ती जा रही है। कानों में लगातार उच्च आवृत्ति बच्चों के कान के पर्दे को कमजोर कर सकता है, जिससे कुछ आवृत्तियों को सुनने में असमर्थता भी शामिल है। 'द इंडियन जनरल ऑफ पीडियाट्रिक्स' में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि ध्वनि प्रदूषण भ्रूण, शैशवावस्था और किशोरावस्था सहित विकास के किसी भी चरण में बच्चे की सुनने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

चित्रकूट के घाट से

सीय असीस दीन्हि मन मांही

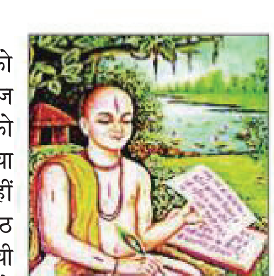

अम्बा मन-ही-मन अपने लाड़ले भरत को आशीष देती हैं और श्री भरत तो आज निश्चिन्त हो गए मां की इस अहैतुक कृपा को देखकर। एक अखण्ड मौन का साम्राज्य छाया हुआ है। सभी मौन हैं, पर व्यथा का नहीं प्रेमाधिक्य का मौन है। स्नेह समुद्र के आकण्ठ निमग्न होने पर वाणी कैसे निकले? उस रसमयी परिस्थिति का चित्रण गोस्वामीजी की लेखनी से देखिए-

सीय असीस दीन्हि मन मांही। मगन सनेह देह सुधि नाहीं।।
सब बिधि सानुकूल लखि सीता। भे निसोच उर अपडर बीता।।
कोउ किछु कहइ न कोइ किछु पूंछा। प्रेम भरा मन जिन गति छूंछा।।

श्री किशोरी द्वारा यह सौभाग्य श्री भरत को छोड़कर किसी अन्य को नहीं मिला। यह कर स्पर्श श्री भरत की निर्मलता का सबसे बड़ा प्रमाणपत्र है। यह विस्मृति कितनी गहरी है इसका पता इसी से चलता है कि श्री राघवेन्द्र को चतुरंगिणी सेना सहित भरत आगमन का समाचार पहले ही प्राप्त हो चुका है पर उन्होंने इस विषय पर कोई प्रश्न नहीं किया, मानो भरत को प्राप्त कर कुछ पाना शेष न रहा। इस विस्मृति को भंग किया राम-सखा ने। उनका कर्त्तव्य भी तो यही था। वे तो केवट और सखा दोनों ही हैं। प्रेम पयोधि में डूबे हुए को निकालना उनका ही कार्य है। मर्यादा पुरुषोत्तम की मर्यादा-रक्षण की चिंता भी सखा को ही स्वाभाविक है। अतः उन्होंने प्रणाम पूर्वक स्तुति करके सूचना दी-

नाथ साथ मुनिनाथ के मातु सकल पुर लोग।
सेवक सेनप सचिव सब आए विकल वियोग।।

शील-सिन्धु मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राघवेन्द्र गुरु-आगमन की बात सुनते ही जागृत हो जाते हैं और श्री किशोरी जी के निकट शत्रुध्न को छोड़कर गुरुदेव का स्वागत करने चल पड़ते हैं।

- पूज्यपाद पं. रामकिंकरजी महाराज

प्रशासनिक अधिकारियों ने खेदड़ धरना कमेटी की मानी सभी मांगे

हिसार (राजेश सलूजा) - खेदड़ थर्मल धरना कमेटी और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच थर्मल गेस्ट हाउस में हुई छः दौर की हुई लंबी बहस व वार्तालाप के बाद प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा थर्मल धरना कमेटी की लगभग सभी मांगे मान ली गई हैं। इन मांगों के स्वीकृत होने के बाद भी अभी तक शहीद धर्मपाल का दाह संस्कार नहीं किया गया है। शहीद किसान धर्मपाल के पार्थिव शरीर को गौशाला में रख दिया गया है। थर्मल धरना कमेटी में शामिल भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूणी ने बताया कि खेदड़ गांव के जो चार युवक 8 जुलाई को पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए लाठीचार्ज अश्रु गैस के गोले छोड़े जाने व पानी की बौछारे छोड़े जाने में शहीद हुए किसान धर्मपाल के मामले में जेल में बंद हैं। उनके जेल से एक या दो दिनों में आने के बाद ही शहीद किसान धर्मपाल का दाह संस्कार किया जाएगा। अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूणी ने बताया कि थर्मल राखी जो बाहर जाएगी उस राखी पर 37 रुपए टन के हिसाब से राशि गऊओ की सेवा हेतू गौशाला खेदड़ को दी जाएगी। या फिर 23 रुपए टन के हिसाब से और गौशाला की राखी संबंधी मशीनें ठेके पर ली जाएंगी। इन दोनों में से एक मांग पूरी कर दी जायेगी। शहीद किसान धर्मपाल के मामले में गांव खेदड़ के जो चार युवक धारा 302 और 307 के आरोप में जेल में बंद है। उन चारों युवकों पर लगी धारा 302 व 307 हटवा दी जाएंगी और एक-दो दिनों में ये चारो युवक जमानत पर आ जाएंगे तथा 15 दिन के अंदर अंदर इन चारों युवकों के केस को रफा-दफा करवा दिया जाएगा। थर्मल खेदड़ के जिन कर्मचारियों की थर्मल हादसे में पहले मृत्यु हुई थी। उनके परिजनों को भी अढाई लाख रुपए आर्थिक मुआवजा दिया जाएगा। इस मामले में शहीद हुए किसान धर्मपाल के परिवार को आर्थिक मुआवजा और एक सरकारी नौकरी दी जाएगी। इसके अलावा थर्मल खेदड़ के 132 केवी स्टेशन से ही गांव खेदड़ के ग्रामीणों को बिजली दी जाएगी। थर्मल खेदड का पानी जहां से आता है वहीं से ही गांव खेदड़ को पानी की सप्लाई दी जाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूणी ने बताया कि खेदड़ गांव के जिन किसानों की 2 एकड़ से कम भूमि थर्मल खेदड़ ने एक्कायर की थी। उन किसानों के परिवार के सदस्य को मुख्यमंत्री से वार्तालाप करके नौकरी देने की कोशिश की जाएगी। प्रशासनिक अधिकारियों की कमेटी में शामिल जिला उपायुक्त डॉ प्रियंका सोनी ने इन मांगों को स्वीकृत किए जाने की पुष्टि की है और कहा कि जो मांगे प्रशासन से संबंधित हैं वो जल्द पूरी कर दी जाएंगी और जो सरकार से संबंधित हैं वो मांगे भी सरकार के माध्यम से जल्द पूरा करवाए जाने की कोशिश की जाएगी। इस अवसर पर किसान नेता राकेश टिकैत, गुरनाम सिंह चढ़ूणी, प्रधान कलीराम, पूर्व सरपंच शमशेर सिंह, डॉ सोहन लाल, पवन सहारण, श्रद्धानंद राजली, जोगीराम, डॉक्टर राजेंद्र सूरा व तारा चंद समेत हजारों की तादाद में किसान मौजूद रहे।

शहीद संदीप यादव की चतुर्थ पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन कर श्रद्धांजलि दी

मरुधर हिन्द/ रमाकान्त शर्मा

बानसूर विधानसभा क्षेत्र के हाजीपुर गांव की ढाणी गुजरांवाली के वीर शहीद संदीप यादव की चतुर्थ पुण्यतिथि पर शहीद के भाई धनवंत यादव द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें राजस्थान भवन एवं अन्य संनिर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के सदस्य कृष्ण गोपाल कौशिक ने ढाणी गुजरावाली पहुंच कर वीर शहीद संदीप यादव को श्रद्धांजलि स्वरूप पुष्प अर्पित किए। युवाओं द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि हमें गर्व है की बानसूर की धरती पर ऐसे वीर योद्धाओं ने जन्म लिया जिन्होंने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इस तरह हम शहीदों को कभी भुला नहीं सकते हम हर वर्ष उन्हें इसी तरह याद करते रहेंगे और उनकी यादगार के रूप में इस प्रकार के आयोजन करते रहेंगे। देश का हर शहीद प्रत्येक युवा के दिल में धड़कन बनकर हमेशा धड़कता रहे और नई युवा पीढ़ी को सही मार्ग की ओर पथ प्रदर्शित करता रहे। जिससे की युवाओं का देश के प्रति समर्पण भाव का जज्बा पैदा होता रहे। बानसूर प्रधान प्रतिनिधि सुभाष यादव ने कहा की शहीद के परिवार द्वारा जो रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है वह बहुत ही काबिले तारीफ़ है उनके पुत्र द्वारा देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। और अब रक्तदान शिविर लगाकर जरूरतमंद लोगों एवं पीड़ित मानवता की सहायता के लिए समर्पित है। रक्तदान शिविर में युवाओं द्वारा काफी उत्साहपूर्वक बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सभी रक्तदाताओं को एकड्ढएक हेलमेट उपहार स्वरूप भेंट किया गया। साथ ही गायक कलाकारों द्वारा उपदेशात्मक देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान वहां बानसूर प्रधान प्रतिनिधि सुभाष यादव, भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, भूपसेड़ा सरपंच सुभाष यादव, शहीद के पिता बनवारी लाल यादव, माता कृष्णा देवी, शहीद की पत्नी मनीषा देवी, शहीद के पुत्र आशीष यादव, अक्षत यादव, राजेंद्र सिंह शेखावत पूर्व सरपंच हाजीपुर, किशन लाल यादव, सुभाष यादव, कृष्ण कुमार यादव, ओमप्रकाश यादव, सुबेसिंह हवलदार, परशराम यादव, रामपाल यादव, सुभाष यादव हवलदार, रामावतार यादव सहित कई युवा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वरक्षारोपन कर मनाया गुरुपूर्णिमा का त्योहार

मरूधर हिंद/शिव शंकर शर्मा

जयपुर विद्याधर नगर विधानसभा ग्रेटर वार्ड नं 26 दिनेश कावट (पार्षद) ओर उनकी टीम 9 के सदस्य दीपक वर्मा ने आज गुरु पूर्णिमा पर स्वच्छ भारत स्वच्छ अभियान पर आज राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय मुरलीपुरा बिड स्कूल में सफाई कार्यकर्म ओर वरक्षारोपन किया।

जिसमें स्कूल प्रिंसिपल रचना जी,देवाराम जी, ओर भारत पेट्रोलियम गैस के टीम और उनके सीनियर मैनेजर अरविंदजी बाकी अथिति मौजूद रहे । इन्होंने पेड़ लगा कर गुरु पूर्णिमा का त्योहार मनाया ।

चीन के सिछुन प्रांत से एक 3 बी राकेट छोड़ा गया। इसके लिए टियानलियन सेटेलाइट भेजा गया है।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति राजपक्षे को देश छोड़ने में मदद वाली खबरों का भारत ने किया खंडन

कोलंबो। भारत ने बुधवार को मीडिया में आयी उन खबरों को ''निराधार और कयास आधारित'' बताया कि उसने श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के देश छोड़कर मालदीव जाने में मदद की है। राजपक्षे देश की अर्थव्यवस्था को न संभाल पाने के कारण उनके और उनके परिवार के खिलाफ बढ़ते जन आक्रोश के बीच बुधवार को सेना के एक विमान से देश छोड़कर मालदीव पहुंच गए हैं। श्रीलंका के 73 वर्षीय नेता अपनी पत्नी और दो सुरक्षा अधिकारियों के साथ सेना के एक विमान में देश छोड़कर चले गए हैं। श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, ''उच्चायोग मीडिया में आयी उन खबरों को 'निराधार तथा महज अटकल' के तौर पर खारिज करता है कि भारत ने गोटबाया राजपक्षे को श्रीलंका से बाहर जाने में मदद की।'' उसने कहा, ''यह दोहराया जाता है कि भारत लोकतांत्रिक माध्यमों और मूल्यों, स्थापित लोकतांत्रिक संस्थानों और संवैधानिक रूपरेखा के जरिए समृद्धि एवं प्रगति की आकांक्षाओं को पूरा करने में श्रीलंका के लोगों का सहयोग करता रहेगा।''

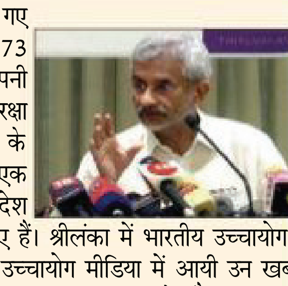

अमेरिका के ड्रोन हमले में ढेर हो गया आईएसआईएस सीरिया का प्रमुख

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

दमिश्क (ईएमएस)। अमेरिका के निशाने पर दुनियाभर आतंकी लगातार बने है अब सीरिया में इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह का प्रमुख अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया। मारे गए आतंकवादी की पहचान माहेर अल-अगल के तौर पर हुई है। माहेर अल-अगल सीरिया में इस्लामिक स्टेट का प्रमुख था। पेंटागन सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल डेव ईस्टबर्न ने बताया कि हमले के समय माहेर अल अगल अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार था। यह हमला सीरिया में जिंदयारिस के पास किया गया, जिसमें माहेर मारा गया। जबकि उसका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यूएस आर्मी सेंट्रल कमांड सेंटकॉम के एक प्रवक्ता के हवाले से पता चला कि माहेर अल-अगल आईएसआईएस के शीर्ष चार नेताओं में से एक था।

अमेरिकी सेना के कर्नल जो बुकिनो ने कहा कि इस हमले से आईएसआईएस के हमला करने की क्षमता कमजोर पड़ेगी। इतना ही नहीं, यह आतंकी संगठन अपने मंसूबो को पूरा करने में सफल नहीं हो सकेगा। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने पुष्टि करते हुए कहा कि अगल अमेरिकी ड्रोन हमले में मारा गया है। सीरियन सिविल डिफेंस फोर्स ने कहा कि अलेप्पो के बाहर एक मोटरसाइकिल को निशाना बनाकर किए गए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया, लेकिन मारे गए लोगों की पहचान नहीं की।

अगल के बारे में लोगों के पास बहुत ही कम जानकारी उपलब्ध है। हालांकि, सीरिया में उसे इस्लामिक स्टेट के लेवेंट प्रांत का गवर्नर बताया जाता है। यह हमला पांच महीने पहले सीरिया के अतमे शहर में किए गए हमले के पांच महीने बाद अंजाम दिया गया है। उस हमले में इस्लामिक स्टेट के नेता अबू इब्राहिम अल-कुरशी की मौत हुई थी। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि कुरैशी की मौत तब हुई जब उसने पकड़े जाने से बचने के लिए खुद को बम विस्फोट से उड़ा लिया था। 2019 में अमेरिका ने सीरिया के इदबिल में इस्लामिक स्टेट के प्रमुख अबू बक्र अल-बगदादी को मार गिराया था। उसने भी अमेरिकी सेना की कार्रवाई के दौरान पकड़े जाने से बचने के लिए खुद को उड़ा लिया था। बगदादी का जन्म 1971 में इराक के सामरा में हुआ था। बगदादी पीएचडी डिग्री होल्डर था। उसने 2003 में इराक में अमेरिकी फौज के खिलाफ बागी गुटों की तरफ से जंग भी लड़ी थी। इस दौरान उसे पकड़ा भी गया था, जिसके बाद उसे 2005 से 2009 तक दक्षिणी इराक में बने अमेरिका के कैंप बुका में कैद करके रखा गया था। जेल से छूटने के बाद उसने इराक और सीरिया में इस्लामिक स्टेट की स्थापना की।

कोरोना के सब-वेरिएंट से कांपा ड्रैगन, 9 फीसदी टूटा चीन का बाजार, लॉकडाउन की आशंका

बीजिंग (एजेंसी)।

कोरोना के सब-वेरिएंट से ड्रैगन बुरी तरह दहशत में है दरअसल, चीन में कोविड का एक नया सब-वेरिएंट बड़े स्तर पर फैल रहा है। हालात ऐसे हैं कि एक बार फिर से चीन में लॉकडाउन लग सकता है। भविष्य के लिए बिगड़ रहे हालातों को देखते हुए चीन का शेयर बाजार भी भयभीत है। यही वजह है कि 28 जून के बाद से हांग सेंग चायना इंटरप्राइज इंडैक्स तकरीबन 9 फीसदी गिर चुका है। एक खबर के अनुसार, चीन के फाइनेंशियल मार्केट्स इकॉनमी में सुस्ती के संकेत दे रहे हैं। यदि कोरोना संक्रमण को बढ़ने देने से रोकना है तो लॉकडाउन लगाया जा सकता है। यदि लॉकडाउन हुआ तो आर्थिक गतिविधियों पर ब्रेक लगेगा और शेयर बाजार और ज्यादा गिर सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में कोरोना के सब-वेरिएंट का डर व्याप्त है। यदि इसकी वजह से लॉकडाउन हुआ तो फैक्ट्रियों में उत्पादन ठप हो जाएगा। लोग खर्च नहीं कर पाएंगे। कंस्ट्रक्शन से जुड़े काम रुक जाएंगे और परिवहन भी ठप हो जाएगा। जानकार बताते हैं कि हाल ही में क्रूड ऑयल के दामों में जो गिरावट आई है। उसकी वजह चीन में कुछ जगहों पर लॉकडाउन का लगना है। रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को ऑफिशियल डेटा में दूसरी तिमाही में चीन की इकॉनमिक ग्रोथ सिर्फ 1।2 फीसदी रहने की उम्मीद है। इकॉनमी से जुड़े इंडिकेटर्स गिरावट शुरू होने का संकेत दे चुके हैं। उधर, चीन के केंद्रीय बैंक ने लिक्विडिटी बढ़ाने वाले उपायों को वापस लेना शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि इससे इस साल के शेष समय में वित्तीय स्थितियों पर दबाव बन सकता है।सेक्सो बैंक में इक्विटी स्ट्रैटेजी के हेड पीटर गार्नरी ने कहा, 'इनवेस्टर्स की सबसे बड़ी चिंता आर्थिक गतिविधियां फिर से ठप होने को लेकर हैं। बड़े पैमाने पर टेस्टिंग और वेट रिबेट्स का काफी असर लोकल गवर्नमेंट के बजट पर पड़ रहा है। इससे इकॉनमी को सहारा देने की उनकी क्षमता घट रही है।' चीन की सरकार की उम्मीदें इस साल की दूसरी छमाही पर टिकी हैं।

उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई आज

मरूधर हिन्द/अराई/प्रकाश भागनानी

राज्य सरकार व जिला कलेक्टर अजमेर के निर्देश अनुसार उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन पंचायत समिति सभागार में किया जायेगा। जनसुनवाई उपखण्ड अधिकारी खेमाराम यादव की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी। एसडीएम खेमाराम यादव ने बताया कि उक्त जनसुनवाई के दौरान समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी कर्मचारियों यथा ग्राम विकास अधिकारी, पटवारी, गिरदावर, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, विधुत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, चिकित्सा विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी तथा कार्मिक उपखण्ड क्षेत्र अरांई के द्वारा भाग लिया जाकर आमजन की समस्याओं का निस्तारण किया जायेगा। इसी क्रम में एसडीएम खेमाराम यादव ने बताया कि राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज समस्त प्रकरणों का समाधान एक से अधिक विभागों के समन्वय से किया जाना हो, ऐसे समस्त प्रकरणों का चयन जनसुनवाई से पूर्व में ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा तथा सम्बंधित विभागों के अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर ऐसे प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जाकर आमजन को राहत प्रदान की जायेगी। इस दौरान जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे

ब्रिटेनः प्रधानमंत्री पद की दौड़ में भारतीय मूल के सुनक और ब्रेवरमैन 8 दावेदारों में शामिल, 5 सितंबर को होगा चुनाव

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन का अगला प्रधानमंत्री चुनने के लिए मंगलवार शाम को नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया समाप्त होने पर शुरुआती छंटनी के बाद भारतीय मूल के दो सांसदों-पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक और अटॉर्नी जनरल सुएला ब्रेवरमैन ने आठ दावेदारों में अपनी जगह बना ली। ब्रिटेन का नया प्रधानमंत्री सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के नेता के रूप में निवर्तमान प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का स्थान लेगा। सुनक और ब्रेवरमैन के अलावा इस सूची में विदेश मंत्री लिज ट्रस, नए वित्त मंत्री नाधिम जहावी, वाणिज्य मंत्री पेनी मोर्डेंट, पूर्व कैबिनेट मंत्री केमी बादेनोक, जेरेमी हंट और सांसद टॉम तुगेंदत शामिल हैं।

सुनक दौड़ में आगे बने हुए हैं और ऐसा बताया जा रहा है कि उनके पास सर्वाधिक सांसदों का समर्थन है। 42 वर्षीय सुनक ने अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए कहा, ''मैं सकारात्मक प्रचार अभियान चला रहा हूं जो इस बात पर केंद्रित है कि मेरे नेतृत्व से पार्टी और देश को क्या लाभ हो सकता है।'' गोवा मूल की सुएला ब्रेवरमैन अभी ब्रिटिश कैबिनेट में अटॉर्नी जनरल हैं और 2015 से सांसद है। इस सूची में जगह बनाने के लिए कम से कम 20 सांसदों के समर्थन की आवश्यकता थी। शुरुआती छंटनी के बाद बचे आठ उम्मीदवारों के बीच अब बुधवार को पहले दौर के मतदान में मुकाबला होगा और केवल वे ही दूसरे दौर में जा सकेंगे, जिनके पास कम से कम 30 सांसदों का समर्थन होगा।

नामांकन प्रक्रिया बंद होने से कुछ ही समय पहले पाकिस्तानी मूल के दो उम्मीदवारों-पूर्व स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद और विदेश कार्यालय के मंत्री रहमान चिश्ती ने अपने नाम वापस ले लिए, क्योंकि वे 20 सांसदों का समर्थन हासिल नहीं कर पाए। ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री का चुनाव पांच सितंबर को किया जाएगा। कंजर्वेटिव पार्टी के सांसदों द्वारा मतदान का पहला चरण बुधवार को होना है। बृहस्पतिवार को दूसरे चरण के मतदान के बाद चरणबद्ध तरीके से अंतिम दो उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा।

राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे देश छोड़कर भागने के बाद श्रीलंका में लगा आपातकाल, दंगाइयों ने खोया आपा

कोलंबो।(एजेंसी)।

राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के मालदीव भाग जाने के बाद श्रीलंका ने आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने देश की सड़कों पर कब्जा कर लिया है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने देश के पश्चिमी प्रांत में कर्फ्यू का आदेश दिया है। पुलिस पीएम रानिल विक्रमसिंघे के घर के बाहर लाठीचार्ज कर रही है। उन्होंने पीएम आवास की दीवारों को नापने वाले प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले भी दागे। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने दंगाइयों की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। सुरक्षा बलों ने कोलंबो में पीएम आवास के बाहर हवाई गश्त शुरू कर दी है। पीएम अभी भी अपने घर सह कार्यालय में छिपे हुए हैं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के देश छोड़कर भाग जाने से जनता भड़क गयी है और बुधवार सुबह हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी श्रीलंका की संसद में घुस गये। इससे पहले जब यह लोग संसद की ओर बढ़ रहे थे तो पुलिस और सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। इस दौरान सुरक्षा बलों और जनता के बीच जबरदस्त भिड़ंत भी देखने को मिली। लोगों ने सेना की गाड़ी पर भी हमला कर दिया और उग्र भीड़ तमाम बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ गयी। हम आपको बता दें कि श्रीलंका के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री आवास पर जनता पहले ही कब्जा कर चुकी है।

इस बीच, खबर है कि राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे अपने इस्तीफे का ऐलान करने के साथ ही सेना के एक विमान से देश छोड़कर मालदीव पहुंच गए हैं। श्रीलंका की वायु सेना ने एक संक्षिप्त बयान में बताया कि 73 वर्षीय नेता अपनी पत्नी और दो सुरक्षा अधिकारियों के साथ सेना के एक विमान से देश छोड़कर चले गए हैं। बयान में कहा गया है, ''सरकार के अनुरोध पर और संविधान के तहत राष्ट्रपति को मिली शक्तियों के अनुसार, रक्षा मंत्रालय की पूर्ण स्वीकृति के साथ राष्ट्रपति, उनकी पत्नी और दो सुरक्षा अधिकारियों को 13 जुलाई को कातुनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से मालदीव रवाना होने के लिए श्रीलंकाई वायु सेना का विमान उपलब्ध कराया गया।'' प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी राष्ट्रपति के देश छोड़ने की पुष्टि की है।

ऐसा बताया जा रहा है कि राजपक्षे नयी सरकार द्वारा गिरफ्तारी की आशंका से बचने के लिए इस्तीफा देने से पहले विदेश जाना चाहते थे। 'बीबीसी' की एक खबर में कहा गया है कि वह स्थानीय समयानुसार देर रात करीब तीन बजे मालदीव की राजधानी माले पहुंचे। सूत्रों ने मालदीव के अधिकारियों के हवाले से बताया कि गत रात वेलाना हवाई अड्डे पर मालदीव सरकार के प्रतिनिधियों ने राजपक्षे की अगवानी की। 'डेली मिरर' ऑनलाइन की एक खबर के मुताबिक, राजपक्षे मालदीव से किसी अन्य देश जा सकते हैं, जिसके बारे में अभी जानकारी नहीं है।

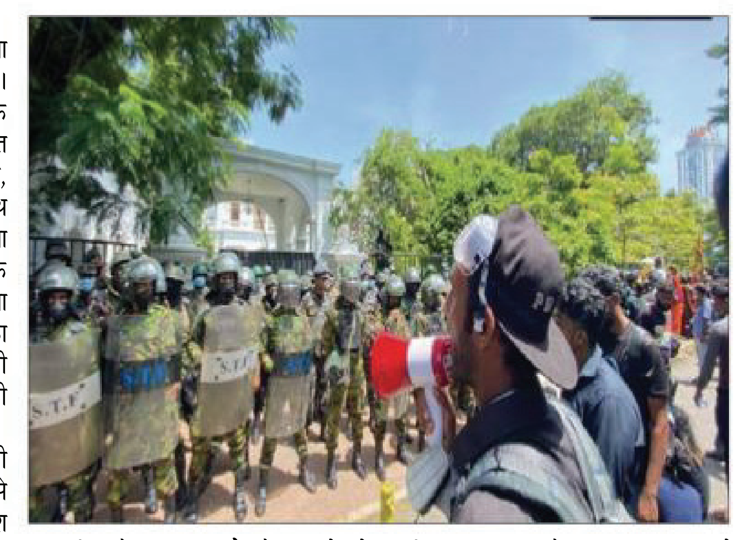

कोहली के दूसरे वनडे में भी खेलने पर संदेह भारत की नजरें एक और श्रृंखला जीतने पर

लंदन | एजेंसी

आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम गुरुवार को यहां लाड्र्स में दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में एक बार फिर इंग्लैंड पर दबादबा बनाते हुए तीन मैचों की श्रृंखला में विजयी बढ़त बनाने के इरादे से उतरेगी जबकि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का ग्रोइन की चोट के कारण इस मैच में भी खेलना संदिग्ध है। लंबे समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे पूर्व भारतीय कप्तान कोहली ग्रोइन की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पहले वनडे में नहीं खेल पाए थे और अब भी यह स्पष्ट नहीं है कि वह दूसरे मैच के लिए फिट हैं या नहीं।

कोहली के खराब प्रदर्शन का हालांकि सीमित ओवरों के मुकाबले में भारत पर अधिक असर नहीं पड़ा है क्योंकि टीम वनडे और टी20 दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर ही है। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद भारत ने मंगलवार को पहले वनडे में 10 विकेट की आसान जीत दर्ज की। कोहली की गैरमौजूदगी का नकारात्मक पक्ष यह है कि देश के शीर्ष बल्लेबाज को दबाव भरे मुकाबलों में ठोस प्रदर्शन करने का मौका नहीं मिल रहा जबकि इसका दूसरा पहलू यह है कि अन्य बल्लेबाजों को खुद को साबित करने का मौका मिल रहा है जैसा सूर्यकुमार यादव ने नॉटिंघम में अंतिम टी-20 अंतररष्ट्रीय मैच में शतक जड़कर किया।

दूसरे मैच में कोहली की उपलब्धता के बारे में पूछे जाने पर पहले मैच में भारत की जीत के हीरो रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा, ''मैं अंतिम टी20 मैच में नहीं खेला और वह (कोहली) आज (मंगलवार) नहीं खेला। मेरे पास उसकी चोट के बारे में अपडेट नहीं है।'' कोहली अगर शत प्रतिशत फिट हुए बिना वापसी के लिए जल्दबाजी करते हैं तो ग्रोइन की मांसपेशियों में खिंचाव बड़ी चोट में बदल सकता है। रोहित शर्मा और उनकी टीम को उम्मीद होगी कि उनके गेंदबाजों को लाड्र्स की पिच से भी ओवल जैसी मदद मिलेगी। बुमराह शानदार फॉर्म में चल रहे हैं जबकि मोहम्मद शमी किसी भी विरोधी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करने में सक्षम हैं।

कप्तान रोहित ऐसे में श्रेयस अय्यर पर अधिक ध्यान लगाएंगे जिनकी शॉर्ट गेंद के खिलाफ समस्या बढती जा रही है। दुनिया भर के गेंदबाज शॉर्ट पिच गेंदों पर अय्यर को आउट कर रहे हैं और उनकी लेग साइड की ओर मूव करके शॉट खेलने के लिए जगह बनाने की रणनीति भी विफल हो रही है। दीपक हुड्डा जैसी क्षमता वाला खिलाड़ी टीम में जगह पाने का इंतजार कर रहा है और ऐसे में अय्यर पर बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव होगा।

आत्मविश्वास से भरा कप्तान साहसिक फैसले ले सकता है और ओवल में रन बनाने के बाद रोहित लाड्र्स पर आत्मविश्वास से भरे होंगे।

जोस बटलर, जो रूट, बेन स्टोक्स, जॉनी बेयरस्टो, जेसन रॉय और लियाम लिविंगस्टोन की मौजूदगी वाला बल्लेबाजी क्रम किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को रौंद सकता है लेकिन ओवल में तेज गेंदबाजी के अनुकूल हालात में ये सभी बल्लेबाज विफल रहे। लाड्र्स की पिच आमतौर पर बल्लेबाजी की अनुकूल होती है लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा जैसे नवोदित गेंदबाजों को इस मैदान की ढलान से भी सामंजस्य बैठाना होगा। भारतीय टीम बेहतरीन फॉर्म में है और संभवतः एक और आसान जीत के साथ श्रृंखला अपने नाम करना चाहेगी।

टीमें इस प्रकार हैं:

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, ईशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिह।

इंग्लैंडः जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, ब्राइडन कार्स, सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन, क्रेग ओवरटन, मैथ्यू पार्किंसन, जो रूट, जेसन रॉय, फिल सॉल्ट, बेन स्टोक्स, रीस टॉप्ली और डेविड विली।

समयः मैच भारतीय समयानुसार शाम 5.30 बजे शुरू होगा।

6 विकेट झटकने के बावजूद नहीं हैं खुश बुमराह

लंदन | एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सिर्फ 19 रन देकर 6 विकेट झटके। उनके इस दमदार खेल के बदौलत ही टीम इंडिया ने 10 विकेट से जीत हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। हालांकि इसके बावजूद वह करियर के इस सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। बुमराह का मानना है कि कई बार उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रयास के बावजूद मैच में विकेट नहीं मिला। उनका कहना है कि वह अंत में मिले नतीजों के आधार पर खुद को नहीं परखते हैं। कई बार ऐसे मौके आए हैं जब मैंने इससे कहीं बेहतर गेंदबाजी की और विकेट नहीं मिले लेकिन मैं हमेशा इसी प्रक्रिया का पालन करता हूं और अपनी निरंतरता को बनाए रखने की कोशिश करता है।

इसके अलावा उन्होंने टीम इंडिया के वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर भी अपनी बात रखी। बुमराह ने माना कि खेल के सभी तीन फॉर्मेट में ह्यवर्कलोड मैनेमेंटह्यमुश्किल है। यही कारण है कि इस साल ध्यान सबसे छोटे प्रारूप पर है क्योंकि सिर्फ तीन महीने बाद टी20 विश्व कप का आयोजन होना है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 19 रन देकर छह विकेट चटकाने वाले बुमराह ने साफ किया कि इस साल जोर टी20 प्रारूप पर है क्योंकि सिर्फ तीन महीने बाद ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप का आयोजन होना है।

■इस साल ध्यान सबसे छोटे प्रारूप पर है क्योंकि सिर्फ तीन महीने बाद टी-20 विश्व कप का आयोजन होना है।

हर साल के आयोजन पर तय होती है रणनीति

बुमराह ने भारत की 10 विकेट की एकतरफा जीत के बाद कहा, 'यह कई चीजों का संयोजन है और सिर्फ इस पर निर्भर नहीं करता कि आपको कौन से मुकाबले चुनने हैं। जैसे कि जिस साल विश्व कप का आयोजन होना है, उस प्रारूप (इस साल टी-20) को अधिक प्राथमिकता देने की जरूरत है और अगर किसी साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल होना है तो ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर अधिक होना चाहिए।' भारत का कार्यक्रम काफी व्यस्त है लेकिन बुमराह समझ सकते हैं कि ऐसा 2020 और 2021 में कई सीरीज के कोविड-19 के कारण स्थगित होने से हुआ। बुमराह ने कहा, 'आपको कैलेंडर पर ध्यान देना होता है। 2020-21 में कोविड के कारण हम कई सीरीज में नहीं खेल पाए और इसलिए हमें लगातार काफी क्रिकेट खेलना पड़ रहा है। इसलिए काफी जागरूकता की जरूरत है। आपको टीम के ट्रेनर, फिजियो और प्रबंधन से बात करनी होती है। जब आप किसी सीरीज में नहीं खेल रहे होते तो स्वयं को मानसिक रूप से बेहतर स्थिति में रखना होता है।' बुमराह को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से ब्रेक दिया गया है। उन्होंने हालांकि काम के बोझ पर कहा, 'सभी तीन प्रारूपों में काम के बोझ का प्रबंधन मुश्किल है। शायद सिर्फ पांच दिन पहले हम टेस्ट मैच खेल रहे थे और इसके बाद टी20 और अब वनडे मैच खेल रहे हैं इसलिए मानसिक सामंजस्य की जरूरत होती है।'

वनडे रैंकिंग में पाक को पछाड़ कर टीम इंडिया पहुंची तीसरे स्थान पर

दुबई। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में एकतरफा जीत के साथ भारत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी नवीनतम टीम रैंकिंग में पाकिस्तान को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गया। भारत 105 अंकों के साथ चौथे स्थान पर था लेकिन मंगलवार को 10 विकेट की जीत के साथ उसके 108 रेटिंग अंक हो गए हैं। पाकिस्तान 106 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गया है। न्यूजीलैंड 126 अंक के साथ शीर्ष पर चल रहा है जबकि इंग्लैंड 122 अंक के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है। पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीनस्वीप के साथ पाकिस्तान भारत को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंचा था। श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के वनडे सीरीज गंवाने से भी उसे मदद मिली। टीम हालांकि लंबे समय तक तीसरे स्थान पर नहीं रह सकी और भारत एक बार फिर इस स्थान पर काबिज हो गया। इंग्लैंड के खिलाफ बाकी बचे दो वनडे और वेस्टइंडीज के खिलाफ इस महीने तीन मैच की वनडे सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करके भारत तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति और मजबूत कर सकता है। भारत अगर इंग्लैंड के खिलाफ बाकी बचे दोनों वनडे गंवा देता है तो फिर टीम पाकिस्तान के बाद चौथे स्थान पर खिसक जाएगी। पाकिस्तान अगली वनडे सीरीज अगले महीने रोटरडम में नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगा। बाबर आजम की अगुआई वाली टीम दौरे पर पांच दिन में तीन 50 ओवर के मुकाबले खेलेगी।

वनडे में नंबर एक गेंदबाज बने जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव टॉप पांच में पहुंचे

दुबई | एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में कमाल करने वाले जसप्रीत बुमराह को आईसीसी रैंकिंग में भी इसका फायदा मिला है। बुमराह अब वनडे में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 19 रन देकर छह विकेट लिए थे। इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को पीछे छोड़कर वनडे में गेंदबाजों की रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में बुमराह को पांच पायदान का फायदा हुआ है। टी-20 सीरीज के आखिरी मैच में शतक लगाने वाले सूर्यकुमार यादव को भी बल्लेबाजों की रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है और वो बल्लेबाजों की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर आ चुके हैं। टी-20 में भुवनेश्वर कुमार टॉप 10 में शामिल एकमात्र गेंदबाज हैं। जसप्रीत बुमराह उन तीन गेंदबाजों में शामिल हैं, जो टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट की रैंकिंग में टॉप 10 में हैं। बुमराह ने इसी महीने की शुरूआत में इतिहास रचा था और स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में 35 रन बटोर थे।

बोल्ट दूसरे स्थान पर खिसके

गेंदबाजों की वनडे रैंकिंग में बुमराह के पहले स्थान पर आने के बाद न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट दूसरे स्थान पर खिसत गए हैं। पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी तीसरे और ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड चौथे स्थान पर आ गए हैं। अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान पांचवें स्थान पर आ चुके हैं। इंग्लैंड के खिलाफ तीन विकेट लेने वाले मोहम्मद शमी को तीन स्थान का फायदा हुआ है और वो 23वें स्थान पर आ गए हैं।

विराट और रोहित टॉप 10 में बरकरार

बल्लेबाजों की रैंकिंग में विराट कोहली चौथे और रोहित शर्मा पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 76 रन बनाए थे, लेकिन उनकी रैंकिंग में बदलाव नहीं हुआ है। अब उनके पास सीरीज के बाकी मैचों में अच्छा प्रदर्शन कर विराट को पीछे छोड़ने का मौका रहेगा। इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 31 रन बनाने वाले शिखर धवन को एक स्थान का फायदा हुआ है और वो 12वें स्थान पर आ गए हैं। आयरलैंड के हैरी टेक्टर को 10 स्थान का फायदा हुआ है और वो 34वें स्थान पर आ चुके हैं। ऑलराउंडर की रैंकिंग में न्यूजीलैंड के स्पिन गेंदबाज मिशेल सैंटनर एक स्थान के फायदे के साथ पांचवें स्थान पर आ गए हैं। वहीं, बांग्लादेश के मेहदी हसन दो स्थान के फायदे के साथ टॉप 10 में पहुंच गए हैं।

उलटफेर का शिकार हुए श्रीकांत, सिंधु दूसरे दौर में

सिंगापुर | एजेंसी

भारतीय शटलर्स ने सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूनार्मेंट में मिलीजुली शुरूआत की है। 12 से 17 जुलाई के बीच खेली जा रहे इस टूनार्मेंट में पीवी सिंधु, साइना नेहवाल, एचएस प्रणय ने जीत से शुरूआत की है। जबकि किदांबी श्रीकांत को पहले की दौर में उलटफेर का शिकार होना पड़ा है। पी कश्यप भी हार गए। पहले दौर में बुधवार को पीवी सिंधु, मिथुन मंजूनाथ और अस्मिता ने जीत दर्ज की।

विमेन सिंगल्स मुकाबले में वर्ल्ड नंबर-7 पीवी सिंधु ने दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी बेल्जियम की लियाने टैन पर आसान जीत हासिल की। सिंधु ने यह मुकाबलों सीधे गेम में 21-15, 21-11 से हराया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु अगले दौर में वियतनाम की थुइ लिन एनगुएन से भिड़ेंगी।

महिला सिंगल्स के अन्य मुकाबलों में साइना नेहवाल ने 5वीं रैंक ही बिंग जियो को 21-9, 23-21 से हराया। जबकि अस्मिता ने हान यी को 21-16, 21-11 से परास्त किया। महिला एकल में दुनिया की 66वें नंबर की खिलाड़ी अश्मिता ने 5-10 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार आठ अंक के साथ बढत बनाई और फिर पहला गेम जीत लिया।

हमवतन खिलाड़ी से हारे श्रीकांत

दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत को अप्रैल महीने में ओरलियांस मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाले भारत के मंजूनाथ ने एक घंटे में 21-17, 15-21, 21-18 से हराया। दुनिया के 77वें नंबर के खिलाड़ी मंजूनाथ अगले दौर में आयरलैंड के एनहाट एनगुएन से भिड़ेंगे। 24 साल के मंजूनाथ ने आक्रामक शुरूआत करते हुए 6-2 की बढ़त बनाई। उन्होंने आसानी से पहला गेम जीत लिया। उसके बाद श्रीकांत ने शानदार कोर्ट कवरेज से शानदार वापसी करते हुए ब्रेक तक 11-8 की बढ़त हासिल की। उन्होंने बढ़त का फायदा उठाया और गेम जीतकर मैच बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मंजूनाथ ने बेहतर नियंत्रण दिखाते हुए ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त ली। लेकिन श्रीकांत ने स्कोर 16-15 कर दिया। फिर मंजूनाथ ने 18-18 के स्कोर के बाद लगातार 3 अंक लेकर मैच अपने नाम किया।

बॉक्सिंग खेल का टैलेंट सर्च ट्रॉयल सतना में

स्टार समाचार | सतना

दादा सुखेंद्र सिंह स्टेडियम जवाहर नगर में भोपाल से आए हुए बॉक्सिंग कोच नितेश यादव द्वारा बॉक्सिंग खेल का टैलेंट सर्च ट्रायल लिया गया। जिसमें लगभग 30 खिलाड़ियों ने अपना परफॉर्मेंस दिखाया और नितेश द्वारा खेल के कुछ बारीकियां एवं नियम उनके द्वारा बताए गए। स्टेडियम में एसपी तिवारी वॉलीबॉल कोच, कुमारी रमा उइके कबड्डी कोच जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग, श्री अंबुज सिंह बघेल कराते संघ से,पदमधर मालवीय, विजय यादव, यस गुप्ता राष्ट्रीय खिलाड़ी और सौरव सिंह बघेल उपस्थित रहे।

आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप : मेहुली और तुषार की जोड़ी ने जीता सोना, पलक-शिवा ने दिलाया कांस्य पदक

चैंग्वान | एजेंसी

आईएसएसएफ वर्ल्ड शूटिंग कप में भारतीय शूटरों का शानदार प्रदर्शन जारी है। 10 मीटर एयर राइफल के मिक्स्ड इवेंट में भारत की मेहुली घोष और शिव तुषार माने की जोड़ी ने गोल्ड मेडल जीता है। वहीं 10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड इवेंट पलक और शिवा नरवाल की जोड़ी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

मेहुली और तुषार ने हंगरी की जोड़ी को दी मात

मेहुली और तुषार की जोड़ी ने हंगरी के इस्तजर और इस्तवान पेन की जोड़ी को 17-13 के अंतर से मात दी और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। तुषार ने भारत के लिए पहली बार गोल्ड जीता है, जबकि मेहुली ने दूसरी बार यह कारनामा किया है। मेहुली ने साल 2019 में दक्षिण एशियाई खेलों में काठमांडू में पहली बार देश के लिए गोल्ड जीता था।

10 मीटर एयर पिस्टल में पलक और शिवा नरवाल ने कजाखिस्तान को दी मात

वहीं 10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड इवेंट में तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में पलक और शिवा नरवाल की जोड़ी ने कजाखिस्तान के वलेरी रकिमजहान और इरिना लोक्तिओनोवा की जोड़ी को एकतरफा मुकाबले में 16-0 के अंतर से हराया था।

टीम इंडिया पॉइंट टेबल में दूसरे स्थान पर

बुधवार को एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल मिलने के बाद भारत पॉइंट टेबल में दूसरे स्थान पर है। भारतीय शूटरों ने अब तक तीन मेडल जीते हैं। जिसमें दो गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। वहीं सर्बिया की टीम पहले स्थान पर काबिज है।

व्यापार स्टार

महंगाई से मिलेगी राहत, 100 डॉलर से नीचे आया कच्चा तेल, सस्ता होगा पेट्रोल-डीजल!

नई दिल्ली | एजेंसी

महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों के लिए अच्छी खबर है। कच्चे तेल की अंतराष्ट्रीय कीमत में मंगलवार को सात फीसदी गिरावट आई और बुधवार को भी शुरूआती कारोबार में इसमें गिरावट देखी जा रही है। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स की कीमत 68 सेंट यानी 0.7 फीसदी गिरावट के साथ 98.81 डॉलर प्रति बैरल रह गई। यूएस वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट क्रूड की कीमत में भी 72 सेंट यानी 0.8 फीसदी गिरावट आई और यह 95.12 डॉलर पर आ गया। यह इसका तीन महीने का न्यूनतम स्तर है। इससे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट आ सकती है। रूस-यूक्रेन जंग के कारण एक समय कच्चे तेल की कीमत 139 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई थी। लेकिन हाल के दिनों में इसमें गिरावट आई है। अमेरिका और यूरोप के कई देशों में मंदी की आशंका के कारण कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है।

घटेगी पेट्रोल-डीजल की कीमत

डॉलर में तेजी का असर सोने और क्रूड जैसी दूसरी कमोडिटीज पर पड़ रहा है। यही वजह है कि इनमें बिकवाली देखने को मिल रही है। डॉलर में मजबूती से दूसरी करेंसीज में तेल अधिक महंगा हो जाता है, जिससे तेल की मांग में कमी आती है। साथ ही चीन में कोविड-19 के कारण लॉकडाउन की आशंकाएं बढ़ गई हैं। इससे भी तेल की कीमतों में और गिरावट आने की उम्मीद है। अगर ऐसा होता है तो देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कमी आ सकती है। इससे महंगाई से जूझ रहे आम लोगों को राहत मिल सकती है।

सेमीकंडक्टर आपूर्ति सुधरने से जून में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली | एजेंसी

वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर आपूर्ति में सुधार के साथ जून में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़ गई। वाहन विनिर्माताओं के संगठन 'सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स' की तरफ से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, कार डीलरों को यात्री वाहनों की आपूर्ति जून 2022 में 19 प्रतिशत बढ़कर 2,75,788 इकाइयों पर पहुंच गई। जून 2021 में डीलरों को 2,31,633 इकाइयों की आपूर्ति हुई थी। इसी तरह, दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री या डीलरों को आपूर्ति पिछले महीने बढ़कर 13,08,764 इकाई पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वर्ष के समान महीने में 10,60,565 इकाई रही थी। इसके अलावा तिपहिया वाहनों की कुल थोक बिक्री भी आलोच्य महीने में उछलकर 26,701 इकाई हो गई। जून में यह आंकड़ा 9,404 इकाई का था। आंकड़ों के अनुसार, पूरे यात्री वाहन श्रेणी की थोक बिक्री जून 2022 में सालाना आधार पर बढ़कर 16,11,300 इकाई रही।

सेंसेक्स 372 अंक और टूटा, निफ्टी 16,000 अंक के स्तर से फिसला

मुंबई | एजेंसी

यूरोपीय बाजारों के कमजोर रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई और सेंसेक्स 372 अंक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 372.46 अंक यानी 0.69 प्रतिशत गिरकर 53,514.15 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक का निफ्टी भी 91.65 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,000 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 15,966.65 अंक पर आ गया। सेंसेक्स कारोबार की शुरुआत में मजबूती पर खुला और दिन चढ़ने के साथ यह 54,211.22 अंक की ऊंचाई तक पहुंच गया। लेकिन यह अपनी बढत को कायम नहीं रखा पाया और यूरोपीय बाजारों के नरम पड़ने से 750 अंक तक लुढक़ गया। अंत में यह 53,514.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, टाइटन और एचसीएल टेक्नोलॉजीज सर्वाधिक नुकसान में रहीं। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी और नेस्ले फायदे के साथ बंद हुईं।

भारी बारिश के चलते राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार मुर्मू का गुजरात दौरा स्थगित : भाजपा

अहमदाबाद। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का बुधवार को प्रस्तावित गुजरात दौरा राज्य में जारी भारी बारिश के चलते स्थगित हो गया है। भाजपा के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। भाजपा की गुजरात इकाई के मीडिया समन्वयक जुबिन अशर ने कहा, ''द्रौपदी मुर्मू का बुधवार को प्रस्तावित दौरा राज्य में जारी भारी बारिश के चलते स्थगित हो गया है।'' उन्होंने बताया कि मुर्मू आदिवासी बहुल जिले नर्मदा का भी दौरा करने वाली थीं, जहांपिछले कुछ दिनों में भारी बारिश दर्ज की गई है। राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी दलों के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने आठ जुलाई को गुजरात दौरा कर कांग्रेस विधायकों का समर्थन मांगा था।

यूपी में बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने से शीर्ष कोर्ट का इनकार, अगली सुनवाई 10 अगस्त को होगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के अवैध घरों पर योगी सरकार की जा रही बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग वाली जमीयत उलेमा ए हिंद की याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नगर निगम के कानून और नियमों के मुताबिक कार्रवाई करने का जवाब राज्य सरकार ने दिया है। बुल्डोजर की कार्रवाई पर कोई रोक नहीं होगी। जमीयत की बुल्डोजर की कार्रवाई पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। वहीं 10 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख दी है। बता दें कि वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे कानपुर व प्रयागराज प्रसाशन की तरफ से पेश हुए। वहीं सॉलिस्टर जनरल तुषार मेहता ने यूपी सरकार की तरफ से पक्ष रखा। वहीं वकील दवे ने याचिकाकर्ता का पक्ष रखते हुए कहा कि न्यूज पेपर की रिपोर्ट के मुताबिक असम में हत्या के आरोपी का घर गिराया गया। ये रुकना चाहिए। इस मामले में विस्तृत सुनवाई की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वो 10 अगस्त को मामले की सुनवाई करेंगे। 8 अगस्त तक सभी पक्ष अपना जवाब दाखिल कर सकते हैं। कोर्ट ने मध्यप्रदेश और गुजरात सरकार को भी नोटिस जारी किया। दवे ने आरोप लगाया कि पिक एंड चूज पॉलिसी अपनाई जा रही है। एक समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। सॉलिस्टर जनरल ने आपत्ति जाहिर कर कहा कि सभी भारतीय समुदाय हैं। आप इस तरह के बहस नहीं कर सकते। याचिकाकर्ता के वकील दवे ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि आप देखें दिल्ली में सभी फार्म हाउस लगभग अवैध है लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। दवे ने कोर्ट से बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की।

अमृता फडणवीस पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले कारोबारी का पुलिस ने बयान दर्ज किया

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस के बारे में व्हाट्सएप पर एक आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोपी व्यक्ति का रत्नागिरि जिले की पुलिस ने बयान दर्ज किया है। राजापुर पुलिस थाने के एक

अधिकारी ने बुधवार को बताया कि हालांकि मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। पुलिस निरीक्षक जर्नादन प्रभाकर ने कहा कि भाजपा के एक स्थानीय कार्यकर्ता अनिलकुमार करणगुटकर ने दो दिन पहले अशफाक मापर नाम के एक कारोबारी के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी। अधिकारी ने कहा, ''हमने मापर को तलब किया और उनका बयान दर्ज किया। हमने मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की है क्योंकि जांच जारी है।'' मापर ने तीन दिन पहले अमृता पर तंज करते हुए व्हाट्सएप पर कथित तौर पर एक पोस्ट साझा की थी। यह पोस्ट अमृता के एक टीवी साक्षात्कार के संबंध में थी, जिसमें उन्होंने राज्य में उद्धव ठाकरे सरकार के गिरने से पहले शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे से अपने पति की कथित मुलाकात के बारे में चर्चा की थी।

देश में अब तक कोविड-19 रोधी टीकों की 199 करोड़ से अधिक खुराक दी गईं

नयी दिल्ली। देश में मंगलवार तक कोविड-19 रोधी टीकों की 199 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के मुताबिक, मंगलवार को शाम सात बजे तक नौ लाख से अधिक खुराक दी गईं। देर रात अंतिम रिपोर्ट आने के बाद यह संख्या और बढ़ सकती है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार को शाम सात बजे तक 18-59 वर्ष आयु वर्ग के लोगों को कुल 99,752 एहतियाती खुराक दी गईं और अब तक इस आयु वर्ग में कुल 72, 83,051 एहतियाती खुराक दी जा चुकी हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 12-14 वर्ष आयु वर्ग के 3.76 करोड़ बच्चों और 15-18 वर्ष के आयु वर्ग के 6.07 करोड़ किशोरों को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। देश भर में पिछले साल 16 जनवरी को टीकाकरण अभियान शुरू हुआ था और पहले चरण में स्वास्थ्यकर्मियों को टीके दिए गए थे। दो फरवरी से अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर्मचारियों का टीकाकरण शुरू हुआ। अगले चरण का टीकाकरण अभियान एक मार्च 2021 को शुरू हुआ और इसके तहत 60 साल से अधिक आयु वाले और 45 तथा उससे अधिक उम्र के अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों को टीके दिए गए। देश में पिछले साल एक अप्रैल से 45 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू हुआ। सरकार ने फिर पिछले साल एक मई से 18 साल से अधिक आयु के सभी लोगों को टीके की खुराक देने का फैसला किया। भारत ने 15-18 वर्ष के आयु वर्ग के किशोरों के लिए तीन जनवरी 2022 से टीकाकरण अभियान शुरू किया।

दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर नीट-यूजी परीक्षा स्थगित करने का अनुरोध

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के अनेक अभ्यर्थियों ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर करके अनुरोध किया है कि अधिकारियों को 17 जुलाई को होने वाली 2022 की परीक्षा स्थगित करने का निर्देश दिया जाए। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया गया, जिसने इसे बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की अनुमति दे दी। याचिकाकर्ताओं के वकील ने यह जानकारी दी। याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि अधिकारियों द्वारा उनकी शिकायतों पर ध्यान देने के बाद परीक्षा की तिथि पुन-निर्धारित करने के लिए नये सिरे से अधिसूचना जारी की जानी चाहिए।

मायावती ने भाजपा पर जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर लोगों को भ्रमित करने का लगाया आरोप

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर लोगों को भ्रमित करने और वास्तविक प्राथमिकता से भटकाने का आरोप लगाया। मायावती का इशारा परोक्ष तौर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सोमवार के बयान की ओर था जिसमें उन्होंने कहा था कि देश में जनसंख्या असंतुलन अराजकता का कारण बन सकती है। बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट किया, ''ऐसे समय में जब आसमान छूती महंगाई, अति गरीबी व बढ़ती बेरोजगारी आदि के अभिशाप से परिवारों का जीवन दुखी, त्रस्त व तनावपूर्ण है तथा वे स्वंय ही अपनी सभी जरूरतों को सीमित कर रहे हैं, तब जनसंख्या नियंत्रण जैसे दीर्घकालीन विषय पर लोगों को उलझाना भाजपा की कौन सी समझदारी है?'' उन्होंने कहा, ''जनसंख्या नियंत्रण दीर्घकालीन नीतिगत मुद्दा जिसके प्रति कानून से कहीं ज्यादा जागरुकता की जरूरत किन्तु भाजपा सरकारें देश की वास्तविक प्राथमिकता पर समुचित ध्यान देने के बजाय भटकाऊ व विवादित मुद्दे ही चुन रही हैं तो ऐसे में जनहित च देशहित का सही से कैसे भला संभव? जनता दुखी व बेचैन।'' आदित्यनाथ ने विश्व जनसंख्या दिवस पर परोक्ष तौर पर मुसलमानों की ओर इशारा करते हुए कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े, लेकिन जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति भी न पैदा हो पाए। भाजपा के कई नेताओं ने देश की बढ़ती आबादी के खिलाफ बात की है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में सोमवार को कहा गया था भारत के अगले साल दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकल जाने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या प्रखंड के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग द्वारा 'विश्व जनसंख्या संभावना 2022' में कहा गया कि वैश्विक जनसंख्या 15 नवंबर, 2022 को आठ अरब तक पहुंचने का अनुमान है।

नुपुर के समर्थन में सोशल पोस्ट करने वालों को सबक सिखाना चाहते थे आतंकी, पाक ने बनाई 40 लोगों की टीम, क्या था सर तन से जुदा प्लान?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बीजेपी पूर्व प्रवक्ता नुपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद को लेकर दिए कथाकथित विवादित बयान के बाद से देश में लोग दो धड़ों में बंटे नजर आए। जिसमें से एक धड़े ने नुपुर के बयान का समर्थन किया और उनके समर्थन में कई पोस्ट भी सोशल मीडिया पर किए। जबकि दूसरा हिस्सा उनके बयान की आलोचना करने वालों का रहा। लेकिन नुपुर शर्मा के बयान के बाद नफरत की आग कुछ इस कदर फैली की इसमें कट्टरपंथी और आतंकी भी अपने जिहादी मंसूबों के साथ कूद पड़े और नुपुर शर्मा के समर्थकों को चुन चुनकर निशाना बनाने की साजिश में लग गए।

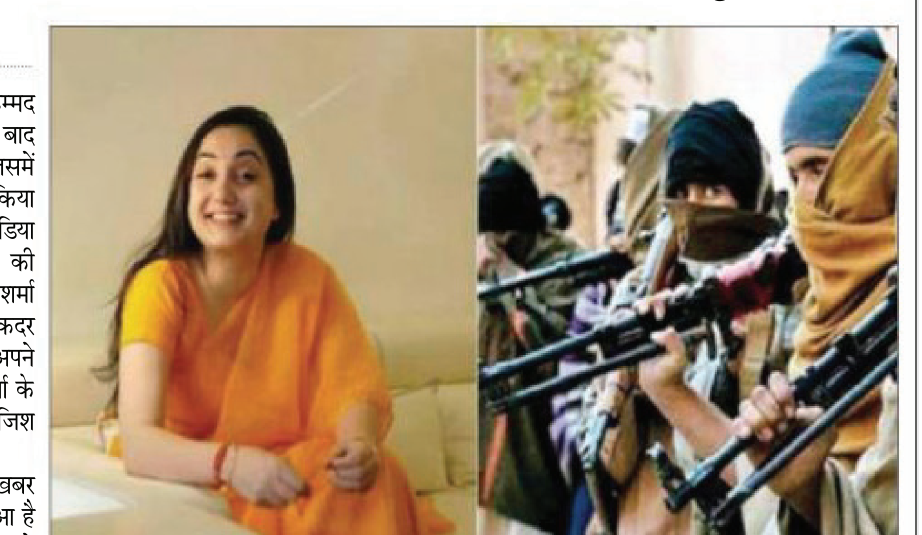

राजस्थान को लेकर एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है जिसमें इस बात का खुलासा हुआ है कि केवल कन्हैया लाल ही कट्टरपंथीयों के निशाने पर नहीं थे। बल्कि पाकिस्तान से ऑपरेट होने वाले दावत-ए-इस्लामी व आतंकियों ने राजस्थान में 40 लोगों की एक टीम बनाई थी। जिसका काम नुपुर शर्मा के समर्थकों को चुन-चुनकर तालिबान की तर्ज पर सर कलम करना था। एनआईए और एटीएस की शुरुआती जांच में इस बात का खुलासा हुआ है।

रियाज और गौस मोहम्मद के मोबाइल से बहुत बड़ा खुलासा हुआ है। सोची समझी रणनीति के तहत पूरी प्लानिंग की गई थी और कन्हैया लाल की हत्या को अंजाम दिया गया था। पाकिस्तान ने 40 लोगों को सिर कलम करने की ट्रेनिंग दी थी। राजस्थान के छह जिलों के 40 लोगों को ट्रेंन किया गया। इन लोगों को ऑनलाइन ट्रेनिंग दी गई और यही सिखाया गया कि कैसे नुपुर शर्मा का समर्थन करने वालों का सर तन से जुदा करना है।

उदयपुर में तीन लोगों का सिर कलम होने वाला था। उदयपुर में पहला टारगेट कारोबारी था। कारोबारी के सिर कलम की जिम्मेदारी बावला को मिली थी। रियाज की तरफ से बावला को हत्या का निर्देश दिया गया था। लेकिन हत्या से पहले ही कारोबारी ने उदयपुर छोड़ दिया। उदयपुर छोड़ने की वजह से कारोबारी की जान बच गई लेकिन कन्हैया लाला की जान नहीं बच पाई।

हिमाचल प्रदेश कांग्रेस में जान फूंकने सक्रिय प्रियंका गांधी, सत्ता वापसी के लिए बड़ी कवायद जारी

शिमला । हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस संगठन में जान फूंकने की कवायद जारी है और इसमें अहम रोल निभा रही हैं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा। प्रदेश की सत्ता में वापसी के लिए वे पूरी तरह सक्रिय नजर आ रही है। प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह से लेकर अन्य नेता जगह-जगह पर बैठकें और जनसभाएं कर रहे हैं। हाल ही में दिल्ली में प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक में प्रियंका गांधी ने विधानसभा चुनावों और संगठन से जुड़े मसलों पर विस्तार से चर्चा की। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष नरेश चौहान भी इस बैठक में मौजूद थे। नरेश चौहान ने बताया कि प्रियंका गांधी करीब 2 घंटे तक बैठक में मौजूद रहीं, इस दौरान उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और सुझाव भी दिए। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला, प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह, नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री, चुनाव प्रचार समिति के अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह सुक्खू सहित अन्य नेता भी मौजूद रहे। कांग्रेस आला कमान ने नेताओं को एकजुट होकर काम करने के निर्देश दिए हैं। नरेश चौहान ने कहा कि इस बैठक में नगर निगम शिमला के चुनाव, विधानसभा चुनाव, संगठन के आगामी कार्यों से लेकर अन्य मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि जल्द ही प्रियंका समेत कांग्रेस के आला नेता हिमाचल आएंगे। बड़े नेताओं की रैलियों का खाका तैयार किया जा रहा है। ये भी बताते चलें कि प्रियंका गांधी वाड्रा का शिमला में घर है। शिमला में उनका आना-जाना लगा रहता है लेकिन वे अब तक किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम या पार्टी के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुई हैं।

केंद्र सरकार की दिल्ली और मुंबई के बीच एक इलेक्ट्रिक हाईवे बनाने की योजना: नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र की मोदी सरकार की योजना है कि दिल?ली और मुंबई के बीच एक इलेक्ट्रिक हाईवे बने। इस हाइवे पर सरकार का इरादा इलेक्ट्रिक ट्रॉली बस और ट्रक के साथ अन्य ईवी को चलाने का है। यह बात केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 11 जुलाई को हाइड्रॉलिक ट्रेलर ओनर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

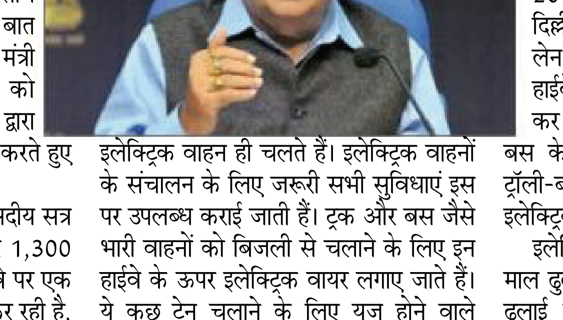

एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले संसदीय सत्र में भी गडकरी ने कहा था कि सरकार 1,300 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक अलग 'ई-हाईवे' बनाने की कोशिश कर रही है, जहां ट्रक और बस 120 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेंगे। दिल्ली-मुंबई के अलावा केंद्रीय परिवहन मंत्रालय दिल्ली और जयपुर के बीच भी इलेक्ट्रिक हाईवे बनाने की योजना पर भी काम कर रहा है। दिल्ली-जयपुर हाईवे संभवतः देश का पहला इलेक्ट्रिक हाईवे होगा।

यह एक ऐसा हाईवे होता है जिस पर सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन ही चलते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन के लिए जरूरी सभी सुविधाएं इस पर उपलब्ध कराई जाती हैं। ट्रक और बस जैसे भारी वाहनों को बिजली से चलाने के लिए इन हाईवे के ऊपर इलेक्ट्रिक वायर लगाए जाते हैं। ये कुछ ट्रेन चलाने के लिए यूज होने वाले इलेक्ट्रिक वायर की तरह ही होते हैं। इसी तरह हाईवे पर भी इलेक्ट्रिक वायर लगाए जाते हैं। इससे हाईवे पर चलने वाले व्हीकल को इलेक्ट्रिसिटी मिलेगी। इसके अलावा इन पर अन्य इलेक्ट्रिक वाहन जैसे कार, स्कूटर आदि के लिए भी चार्जिंग स्टेशन सहित समुचित सुविधाओं का विकास किया जाएगा। कुल मिलाकर इन इलेक्ट्रिक हाईवे को इलेक्ट्रिक व्हीकल के हिसाब से तैयार किया जाता है।

नितिन गडकरी ने पिछले साल भी बताया था कि दिल्ली और जयपुर इलेक्ट्रिक हाईवे तैयार किया जाएगा। इसकी लंबाई 200 किलोमीटर होगी। इस हाईवे को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के साथ ही एक नई लेन पर बनाने की योजना है। इलेक्ट्रिक हाईवे प्रोजेक्ट पर स्वीडन की कंपनी काम कर रही है। इस इलेक्ट्रिक हाईवे पर ट्रॉली-बस के साथ ट्रॉली-ट्रक भी चलाए जाएंगे। ट्रॉली-बस और ट्रॉली-ट्रक को ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर से पावर मिलती है।

इलेक्ट्रिक हाईवे से सबसे ज्यादा फायदा माल ढुलाई में होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों से माल ढुलाई करने पर लॉजिस्टिक कॉस्ट में 70 फीसदी की कमी आ सकती है। इसका असर वस?तुओं की कीमतों पर भी होगा। ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट कम होगी तो जाहिर है चीजें भी सस्ती होंगी। ई-हाईवे ईको फ्रेंडली हाईवे होते हैं। पेट्रोल और डीजल के मुकाबले बिजली से वाहन चलाना न केवल सस्ता है, बल्कि इनसे पर्यावरण को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

मालेगांव विस्फोट : अदालत ने सुनवाई की स्थिति पर हर पखवाड़े रिपोर्ट देने को कहा

मुंबई। (एजेंसी)।

बंबई उच्च न्यायालय ने 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में हो रही देरी पर चिंता जताते हुए बुधवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण(एनआईए) की विशेष अदालत को सुनवाई की स्थिति की जानकारी संबंधी रिपोर्ट हर पखवाड़े देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते देरे और न्यायमूर्ति वी जी बिष्ट की खंडपीठ ने एनआईए को पिछले माह का 'रोजनामा' एक अगस्त को जमा कराने के भी निर्देश दिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद प्रज्ञा ठाकुर मामले के आरोपियों में शामिल हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि केन्द्रीय जांच एजेंसी को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि बयान दर्ज करने के लिए प्रतिदिन एक के बजाय दो गवाहों को बुलाया जाए। उच्च न्यायालय 2018 में समीर कुलकर्णी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था।कुलकर्णी मामले में आरोपी हैं और सुनाई पूरी होने में हो रही देरी पर उन्होंने याचिका दाखिल की थी। पिछले माह उच्च न्यायालय ने एनआईए की विशेष अदालत को सुनवाई पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए थे, साथ ही इस पर एक हलफनामा भी दाखिल करने को कहा था। विशेष अदालत ने बुधवार को एक रिपोर्ट पेश की जिसमें यह आश्वासन दिया था कि सुनवाई रोजाना के आधार पर चल रही है। नए न्यायाधीश के छह जून को जिम्मा संभाला है और तब से 12 गवाहों से पूछताछ की जा चुकी है। एनआईए ने अपने हलफनामे में कहा कि सूचीबद्ध किए गए 495 गवाहों में से अदालत 256 के बयान दर्ज कर चुकी है और एजेंसी218 और गवाहों से पूछताछ करना चाहती है। अदालत ने कहा, ''हम सुनवाई में प्रगति के बारे में एनआईए की विशेष अदालत के न्यायाधीश से हर पखवाड़े रिपोर्ट की मांग को उचित पाते हैं।''

ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में लागू नहीं होता उपासना स्थल अधिनियम : हिंदू पक्ष

वाराणसी (उर प्रदेश)। (एजेंसी)।

ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले में वाराणसी की जिला अदालत में बुधवार को हिन्दू पक्ष ने अपनी दलीलें रखीं और दावा किया कि ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में उपासना स्थल अधिनियम लागू नहीं होता। हिंदू पक्ष के दलीलें रखने का सिलसिला बृहस्पतिवार को भी जारी रहेगा। शासकीय अधिवक्ता राणा संजीव सिंह ने बताया कि हिन्दू पक्ष की ओर से अधिवक्ता हरिशंकर जैन और विष्णु जैन ने दलीलें रखीं। सिंह ने बताया कि हरिशंकर जैन ने अदालत में कहा कि इस मामले में वर्ष 1991 का उपासना स्थल अधिनियम किसी भी तरीके से लागू नहीं होता। हिंदू पक्ष के वकील ने दावा किया कि मुस्लिम पक्ष जिस जमीन पर अपना दावा कर रहा है वह आदि विश्वेश्वर महादेव की है। हिंदू पक्ष ने दावा किया कि वहां पर जबरदस्ती नमाज पढ़ी जा रही है। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ताओं ने अपनी दलील में यह भी कहा कि अगर मंदिर तोड़ भी दिया गया है, तब भी अदिविश्वेश्वर की पूजा की अनुमति दी जाय। सिंह ने बताया कि बुधवार को हिन्दू पक्ष ने लगभग दो घण्टे अपनी दलील अदालत के समक्ष रखी।

स्मृति का ममता पर हमला, बोली- संविधान के प्रति सम्मान का भाव नहीं रखती तृणमूल, मां काली का किया अपमान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने नए संसद भवन के ऊपर राष्ट्रीय प्रतीक की टीएमसी की आलोचना पर पलटवार करते हुए कहा कि यह एक ऐसी पार्टी से अप्रत्याशित नहीं है जो देवी काली का अपमान करती है और संविधान के लिए बहुत कम सम्मान रखती है। नौकरशाह बने तृणमूल कांग्रेस के सांसद जवाहर सरकार ने दावा किया कि मूल राष्ट्रीय प्रतीक में अशोक के शेर %सुंदर% थे, जबकि नए संसद भवन के शेर आक्रमक है। ईरानी ने हावड़ा में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जिन नेताओं ने वर्षों से संविधान की या तो अवहेलना की है या उन्हें त्याग दिया है, उनसे राष्ट्रीय प्रतीक का विरोध करने की अपेक्षा की जाती है। आज वे राष्ट्रीय प्रतीक से डरते हैं, जो हमारे देश का गौरव है। यह पार्टी और उसके नेताओं की ओर से अप्रत्याशित नहीं है, जो देवी काली का भी अपमान करते हैं।

जवाहर सरकार ने राष्ट्रीय प्रतीक के दो अलग-अलग चित्रों को साझा करते हुए ट्वीट किया, ''यह हमारे राष्ट्रीय प्रतीक का, अशोक की लाट में चित्रित शानदार शेरों का अपमान है। बाईं ओर मूल चित्र है। मोहक और राजसी शान वाले शेरों का। दाईं तरफ मोदी वाले राष्ट्रीय प्रतीक का चित्र है जिसे नये संसद भवन की छत पर लगाया गया है। इसमें गुर्राते हुए, अनावश्यक रूप से उग्र और बेडौल शेरों का चित्रण है। शर्मनाक! इसे तत्काल बदलिए।'' उनकी पार्टी की सहयोगी और लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने भी राष्ट्रीय प्रतीक की दो तस्वीरें ट्वीट करते हुए पिछली संरचना की तुलना नए संसद भवन के ऊपर स्थापित प्रतीक से की।

स्मृति ईरानी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल ने राष्ट्रीय प्रतीक के बारे में अपने सांसदों की बातों का समर्थन किया। वरिष्ठ मंत्री शशि पांजा ने कहा, 'यह एक आपदा है। चार सिंह, जिन्हें शांत और राजसी होने चाहिए, उग्र और बेडौल दिखाई देते हैं। ऐसा तब होता है जब विपक्षी नेताओं को विश्वास में नहीं लिया जाता और सलाह नहीं ली जाती है। यह सहकारी-संघवाद की भावना के खिलाफ है।'

सरकार जब तक कश्मीरी लोगों का दिल नहीं जीतेगी, आतंकवाद खत्म नहीं होगा: फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर। (एजेंसी)।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि कश्मीर में आतंकवाद तब तक खत्म नहीं होगा जब तक कि सरकार घाटी में लोगों का दिल नहीं जीत लेती और पाकिस्तान से बात करके समाधान नहीं ढूंढती। शहर में मंगलवार को एक पुलिस अधिकारी की हत्या की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि जब तक कश्मीर मुद्दे का हल नहीं तलाशा जाता तब तक लोग मरते रहेंगे। अब्दुल्ला ने यहां पार्टी मुख्यालय 'नावा-ए-सुबह' में संवाददाताओं को बताया, 'आतंकवाद का कारवां खत्म नहीं होगा।

उनके (भाजपा) मंत्री और अन्य नेता बयान जारी करते हैं कि यह समाप्त हो गया है, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि यह तब तक खत्म नहीं होगा जब तक आप कश्मीर के लोगों का दिल जीतने की कोशिश नहीं करते और हमारे पड़ोसी देश से बात करके इसका समाधान नहीं ढूंढते।' श्रीनगर से लोकसभा सदस्य अब्दुल्ला ने शहर के लाल बाजार इलाके में सहायक पुलिस उपनिरीक्षक मुश्ताक अहमद की हत्या की निंदा की। उन्होंने कहा, 'उनका बेटा 2020 में सेना द्वारा (मुठभेड़ में) मारा गया था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह (अहमद) आतंकवादियों द्वारा मारे गए। हम नहीं जानते कि हत्यारा कौन है और यहां के लोगों का उद्धारकर्ता कौन है। यह अजीब है। हम सभी इसकी निंदा करते हैं और उनके लिए प्रार्थना करते हैं।

हम परिवार के लिए भी प्रार्थना करते हैं।' नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष ने मारे गए पुलिसकर्मी के परिवार के लिये प्रशासन से 'उचित मुआवजे' की मांग की जिससे उसका परिवार सम्मान के साथ जी सके। श्रीलंका में स्थिति के बारे में और क्या ऐसा कुछ भारत में भी हो सकता है, के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा, 'कुछ भी हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'ईश्वर हमें बचाए। हम प्रार्थना करते हैं कि हमें ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

हम श्रीलंका के लोगों के लिए भी प्रार्थना करते हैं कि भगवान उन्हें इन कठिन समय से बाहर निकालें। साथ ही, भगवान इस सरकार को स्थिति को समझने दे ताकि वे यहां इससे बचने के लिए कदम उठाएं।' परिवार नियोजन पर एक सवाल के जवाब में अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार चाहे किसी खास समुदाय को निशाना बना रही हो या किसी और को, उसे यह समझना चाहिए कि भारत विविधताओं वाला देश है। उन्होंने कहा, 'यह एक विविधता वाला देश है।

तमिलनाडु और कश्मीर के बीच कुछ भी समान नहीं है - न भोजन, न संस्कृति, न भाषा, न मौसम - लेकिन जो हमें एक साथ रखता है वह यह कि हमें एक साथ प्रगति करनी है, और गरीबी, बीमारियों और विषमताओं को दूर करना है।' अब्दुल्ला ने कहा, 'सबसे अहम उद्देश्य भारत की एकता है। हमें विविधता को मजबूत बनाना है, तभी एकता होगी। अगर हम इस विविधता को तोड़ने की कोशिश करेंगे तो यह देश संकट में पड़ जाएगा और इसे वहां से निकालना बहुत मुश्किल होगा।